हरिभूमि
रायपुर भूमि

राजनांदगांव से पहुंची झांकी

राजधानी के चूड़ीलाइन लखोरओली क्षेत्र की गणेश उत्सव आयोजन समिति ने रविवार को राजनांदगांव से विसर्जन झांकी के लिए आकर्षक झांकी बुलवा ली है। लाखेनगर चौक में इस झांकी ▶▶शेष पेज 11 पर

झांकियों से झिलमिल रहेगी आज की रात
खारुन कुंड में पांच क्रेन, 80 गोताखोर तैनात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी में शनिवार से शुरू हुआ गणेश विसर्जन का सिलसिला रविवार को देर शाम जारी रहा। महादेवघाट के विसर्जन कुंड में शाम 5 बजे तक 5500 छोटी-बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन उत्साह के साथ किया गया। नगर निगम के अपर आयुक्त विनोद पांडे के मुताबिक, रविवार की शाम तक 3956 छोटी और 1190 बड़ी गणेश मूर्तियों का श्रद्धापूर्वक विसर्जन किया गया। सूत्रों के मुताबिक, शहरभर में 10 हजार से ▶▶शेष पेज 11 पर

- महादेवघाट विसर्जन कुंड में 5446 प्रतिमाएं विसर्जित, राजनांदगांव से पहुंची झांकियां
- बारिश को देखते हुए प्लास्टिक पन्नी से ढंककर सुरक्षित रखा

तालाबों में 80 जगहों पर अस्थायी विसर्जन कुंड

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शहर के बूढ़ातालाब, तेलीबांधा, कटोरा तालाब, कंकालीपारा सहित अन्य 3 दर्जन तालाबों में अस्थायी विसर्जन कुंड बनाए गए। जहां इको फ्रेंडली तरीके से लोग गणेश मूर्तियों का ▶▶शेष पेज 11 पर

5 क्रेन, 10 आचार्य और तीन पाली में लगाए गोताखोर

नगर निगम प्रशासन ने गणेश विसर्जन की व्यवस्था व्यवस्थित रूप से संपादित कराने महादेवघाट के विसर्जन कुंड स्थल पर बड़ी गणेश मूर्तियों के विसर्जन के लिए 5 क्रेन की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा विसर्जन स्थल पर गणपति विसर्जन सम्मानपूर्वक कराने संस्कृति विद्यालय से 10 आचार्य बुलाए गए हैं। साथ ही छोटी-बड़ी गणपति मूर्तियों के विसर्जन के लिए निगम ने 3 पाली में 80 गोताखोरों की अलग-अलग पाली में ड्यूटी लगाई है। साथ ही नावों की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

जमकर गरजे बादल, घंटेभर झमाझम से सड़कें लबालब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

वातावरण में मौजूद नमी और हवा का गति बढ़ने के बाद रविवार की शाम जोरों की गर्जना के साथ राजधानी में घंटेभर जमकर बारिश हुई। मानसून द्रोणिका की सामान्य स्थिति में आने की वजह से अगले तीन दिन बारिश की गतिविधि बढ़ने के आसार हैं। इसका ज्यादा असर बस्तर में होने की संभावना है।

मौसम विज्ञान केंद्र लालपुर में रात्रि साढ़े 8 बजे तक 32 मिमी. बारिश दर्ज की गई, जो सामान्यतः अच्छी बारिश है। रविवार को दिन में धूप और बादलों के बीच उमस की स्थिति बनी रही। शहर का अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा। शाम तक इसी तरह की स्थिति बनी रही, फिर मौसम ने अंगड़ाई ली और छाए बादल एकत्रित होने के बाद जमकर गरजे। बादलों की गर्जना इतनी अधिक थी कि इससे समीप ही बिजली गिरने के अहसास हुआ। गर्जना के साथ घंटेभर तक झमाझम पानी गिरा। ▶▶शेष पेज 11 पर

मानसून द्रोणिका सामान्य स्थिति में, तीन दिन वर्षा की संभावना

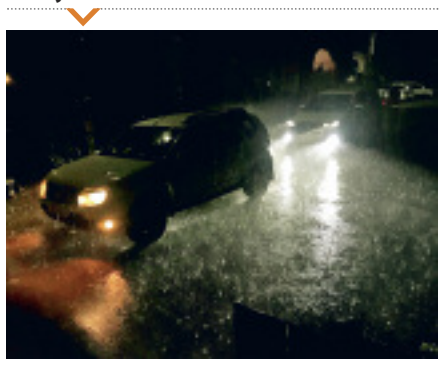

घर के सामने कुत्तों ने घेर लिया, सिर पर गंभीर चोट, डीके अस्पताल में इलाज

'आवारा' ने फिर एक बच्ची को बुरी तरह नोचा, आखिर सिस्टम कब सुध लेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भी शहर में आवारा घूमने वाले कुत्तों को नियंत्रित करने का अभियान कारगर नहीं हो पा रहा है। नगरीय प्रशासन के नसबंदी अभियान के बाद भी उनकी संख्या कम होने का नाम नहीं ले पा रही है और छोटे बच्चों पर उनका हमला लगातार जारी है। राजधानी से सटे बिरगांव में घर के बाहर खेल रही दो साल की बच्ची अयाना इस बार कुत्तों के झुंड की चपेट में आ गई। चार-पांच कुत्तों के झुंड के हमले से उसके सिर पर गंभीर चोट आई है, जिसका इलाज डीके अस्पताल में चल रहा है।

आवारा कुत्तों ने दूसरी बड़ी घटना को अंजाम दिया है। बिरगांव में रहने वाले ड्रायवर नजीम खान की दो साल की बेटी अयाना शनिवार को अपने घर के सामने खेल रही थी, इसी दौरान चार-पांच कुत्तों ने उसे घेर लिया और काटने लगे। बच्ची की चीख सुनकर आसपास के लोगों ने कुत्तों को भगाया, तब तक मासूम लहुलुहान हो चुकी थी। कुत्तों के हमले से उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोट आई थी। बिरगांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के बाद परिजन उसे डीके अस्पताल ले गए, जहां न्यूरोलॉजी विभाग में उसका इलाज चल रहा है। 11 दिन पहले मोवा इलाके में यादव परिवार के दो बच्चों पर कुत्तों ने उस वक्त हमला कर दिया था, जब वे अपने पिता के साथ बाजार जा रहे थे। इस हमले में 5 साल के विवेक को गंभीर चोट आई थी। डॉग बाइट की लगातार होने वाली घटनाएं चलाए जा रहे अभियान की खानापूर्ति को बयां करती हैं। नगर निगम अपने सीमित संसाधनों के साथ नसबंदी अभियान चला रहा है, मगर शहर में नजर आने वाली आवारा कुत्तों की संख्या उनके अभियान की पोल खोल रही है।

11 दिन में दूसरी बड़ी घटना, मोवा में दो भाई हुए थे खूंखार कुत्तों के शिकार

हरिभूमि सरोकार

कुत्तों के काटने की घटनाएं चरम पर

बिरगांव नगर निगम क्षेत्र में रोजाना डॉग बाइट की घटनाएं हो रही हैं। निगम के पास कुत्तों को पकड़ने, नसबंदी करने की कोई सुविधा नहीं है। जिस बच्ची को कुत्तों ने काटा, उसे डीके हास्पिटल में दाखिल करना पड़ा है।

- इकराम अहमद, पार्षद बिरगांव नगर निगम

सावधानी बरतना जरूरी

एंटी रैबीज वैक्सीन की तमाम स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त व्यवस्था है। इस तरह की घटना से बचने के लिए सावधानी बरतने की आवश्यकता है, खासकर छोटे बच्चों की तरफ विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

- डॉ. मिथिलेश चौधरी सीएमएचओ

खोपड़ी में गंभीर चोट

बिरगांव स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. सुनील साहू के अनुसार, कुत्तों के हमले से अयाना की खोपड़ी में काफी गंभीर चोटें आई हैं। रैबीज न्यूरो सिस्टम को प्रभावित करता है, इसलिए उससे तत्काल उपचार के लिए डीके अस्पताल भेजा गया है। बच्ची के चेहरे पर भी गंभीर चोट आई है।

आठ महीने में दस हजार शिकार

डॉग बाइट के मामले कम होने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। औसतन हर महीने हजार से डेढ़ हजार लोग कुत्ता काटने के शिकार हो रहे हैं।रायपुर जिले में स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त महीने तक यानी बीते आठ महीने में दस हजार लोगों को डॉग बाइट की वजह से एंटी रैबीज वैक्सीन लगाने की आवश्यकता पड़ी है। कुत्ते के काटने की शिकायत को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा छोटे स्वास्थ्य केंद्रों में भी एंटी रैबीज वैक्सीन की व्यवस्था करनी पड़ी है।

हो चुकी है मौत...

डॉग बाइट की घटनाएं केवल सामान्य नहीं हैं, ये जानलेवा भी साबित हो चुकी हैं। पिछले महीने बिलासपुर के तखतपुर में रहने वाले एक किसान की रैबीज संक्रमण की वजह से मौत हो गई थी। तखतपुर के पंडरिया निवासी 38 साल से संतोष ध्रुव को सात महीने पहले छोटे से पिल्ले ने काटा था। वैक्सीन नहीं लगाने की गलती उसके लिए जानलेवा साबित हुई। रैबीज के संक्रमण के बाद उसे इलाज के लिए आंबेडकर अस्पताल में दाखिल किया गया था, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

खबर संक्षेप

मीटर में छेड़छाड़ कर बिजली चोरी, एफआईआर दर्ज

रायपुर। पुरानी बस्ती थाने में विद्युत विभाग के टिकरापारा जोन के सहायक यंत्री परेश पटेल ने कुशालपुर निवासी सरोज मिश्रा के खिलाफ मीटर में छेड़खानी कर बिजली चोरी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिजली चोरी से विभाग को 71 हजार रुपए का नुकसान हुआ है। सहायक यंत्री के अनुसार, महिला के घर में लगे मीटर के डिस्प्ले में सी-ओपन संकेत पाया गया। साथ ही मीटर एवं टांगटेस्टर में करंट में अंतर पाया गया, इसके अतिरिक्त मीटर की स्टीकर सील व मीटर बॉडी क्षतिग्रस्त मिली। मीटर का टॉप कवर खोलने पर इनकमिंग शंट में लगे कवर को काटकर सफेद वायर जोड़ बिजली चोरी करना पाया गया।

एम्स से फरार हुआ हत्या का आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जेल में बंद हत्या के आरोपी के एम्स में उपचार के दौरान फरार होने के बाद पुलिस ने दुर्ग से गिरफ्तार किया है। रायपुर केंद्रीय जेल बंदी करण पोर्ते को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया था। करण शनिवार को पुलिस की आंखों में धूल झोंककर वहां से फरार हो गया था। रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी फूटेज में करण के दिखने तथा उसके गोंदिया जाने वाली ट्रेन में सवार होने की पुष्टि हुई। इसके बाद आमानाका पुलिस ने जीआरपीएफ तथा आरपीएफ से समन्वय स्थापित कर करण को दुर्ग में गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की।

लिफ्ट लेकर कार लूटी, दो हजार ट्रांसफर कराए, एक बदमाश गिरफ्तार, दो फरार

चार दिन पूर्व कबीर नगर थाना क्षेत्र की घटना

- चाकू की नोक पर रुपए ट्रांसफर कराए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

दुर्ग निवासी पेशे से ट्रांसपोर्टर को बंधक बनाकर चाकू की नोक पर कार तथा दो हजार लूटने के आरोप में पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस घटना में शामिल दो अन्य फरार बदमाशों की पतासाजी कर रही है। बदमाशों ने अपनी बाइक में पेट्रोल खत्म होने का झांसा देकर ट्रांसपोर्टर की कार में लिफ्ट लेकर लूट की घटना को अंजाम दिया था। घटना चार दिन पूर्व कबीर नगर ▶▶शेष पेज 11 पर

बात करने मोबाइल मांगा फिर लिफ्ट लेकर की लूट

ट्रांसपोर्टर के अनुसार, वह सिगरेट पी रहा था। इस दौरान दोपहिया पर सवार दो युवक ट्रांसपोर्टर के पास पहुंचे और अपने पास मोबाइल नहीं होने की बात कहकर किसी से अर्जेंट कॉल करने मोबाइल मांगा। ट्रांसपोर्टर ने युवक को बात करने मोबाइल दे दिया। मोबाइल से बात करने के बाद ललित ने अपने दोपहिया में पेट्रोल खत्म होने का झांसा देकर लिफ्ट मांगी। ट्रांसपोर्टर ने ललित तथा उसके साथी को कार में लिफ्ट दे दी। रास्ते में ललित ने कार में अपने एक अन्य साथी को बैठा लिया।

चाकू की नोक पर शराब पीने पैसे ट्रांसफर कराए ललित तथा उसके साथियों ने कार में कुछ दूर आगे चलने के साथ चाकू की नोक पर ट्रांसपोर्टर को शराब पीने दो हजार रुपए देने के लिए कहा। कैश नहीं होने की बात कहने पर बदमाशों ने ट्रांसपोर्टर से यूपीआई के माध्यम से दो हजार रुपए ट्रांसफर कराए। इसके बाद एक युवक कार की स्टेयरिंग सीट पर बैठ गया और कार को मंदिर हसौद टोल प्लाजा ले गए। बदमाश कार को महासमुंद ले जाने लगे। इस दौरान रात करीब 9 बजे ट्रांसपोर्टर ने बाथरूम जाने के बहाने कार रुकवाया। बाथरूम जाने के बहाने ट्रांसपोर्टर बदमाशों को चकमा देकर भागा और ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने बदमाशों की पहचान मोबाइल से किए गए पेमेंट के आधार पर की।

छात्रों का खाता क्रमांक गलत भरा तो प्राचार्य होंगे जिम्मेदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सीबीएसई बोर्ड ने 2024-25 की कक्षा 12वीं की प्रायोगिक परीक्षाओं से जुड़े सभी भुगतानों के लिए एकीकृत भुगतान प्रणाली लागू की है। स्कूलों से कहा गया है कि वे पोर्टल पर जाकर शिक्षकों और परीक्षा अधिकारियों के बैंक विवरण सही-सही दर्ज करें। अब सभी भुगतानों की प्रक्रिया एक ही पोर्टल से होगी। स्कूलों को जरूरी डेटा (जैसे बैंक अकाउंट डिटेल) खुद पोर्टल पर भरना होगा। बोर्ड ने सभी स्कूलों से अनुरोध करते हुए कहा है, कि वे पोर्टल की जांच करें और आवश्यक डेटा जल्द से जल्द भरें। स्कूलों से इस बात का खास ध्यान रखने कहा गया है कि परीक्षा अधिकारियों के ▶▶शेष पेज 11 पर

- प्रायोगिक परीक्षाओं से जुड़े सभी भुगतानों के लिए एकीकृत भुगतान प्रणाली लागू

प्राचार्यों से ली जाएगी राशि प्रधानाचार्य को निर्देश दिए गए हैं कि अंतिम रूप देने से पहले सभी जानकारी को खुद जांच लें। बोर्ड ने साफ किया है कि अगर गलत खाते में भुगतान हो गया, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित प्रधानाचार्य की होगी और गलत भुगतान की राशि की वसूली भी उन्हीं से की जाएगी। गौरतलब है कि सीबीएसई द्वारा बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। हाल ही में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 2026 की कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के लिए विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का पंजीकरण प्रारंभ किया है। पंजीकरण 9 सितंबर से शुरू होगा। पंजीकरण के बाद छात्रों की सभी सुविधाएं उनके प्रवेश पत्र पर स्वतः दिखाई देंगी।

1000 लोगों की चेक की गई चप्पल, तब कहीं पकड़ में आया पिस्टल और कारतूस चोरी का आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हटिया-दुर्ग एक्सप्रेस के जनरल कोच में इंडियन तिब्बत पुलिस के एएसआई और हेड कांस्टेबल की सर्विस रिवाल्वर, 4 मैगजीन और 24 जिंदा कारतूस की चोरी मामले में जीआरपी ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में रेल एसपी श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने रविवार को खुलासा किया। जीआरपी ने बताया कि ट्रेन से आईटीबीपी जवानों की पिस्टल व कारतूस भरा बैग पार होने के मामले में सीसीटीवी कैमरे में आरोपी का चेहरा स्पष्ट नहीं था, लेकिन उसकी चप्पल स्पष्ट दिखाई दे रही थी, इसलिए जीआरपी ने चोर का चेहरा देखना छोड़ चप्पल देखनी शुरू कर दी। जीआरपी के जवानों ने रेलवे स्टेशन के आसपास लगभग एक हजार लोगों की चप्पल चेक की, अंत में इसी ▶▶शेष पेज 11 पर

- आटीबीपी जवानों की पिस्टल, कारतूस चोरी होने का मामला, बिलासपुर रेलवे स्टेशन परिसर में पकड़ा गया

चप्पल ही देखते रहे जवान

जीआरपी के मुताबिक, पिस्टल और कारतूस तथा अन्य सामान चोरी की शिकायत मिलने के बाद सीसीटीवी फूटेज की जांच की गई। इसमें एक व्यक्ति गेट नंबर 4 से बाहर निकलते हुए दिखाई दिया, जिसका चेहरा स्पष्ट नहीं दिख रहा ▶▶शेष पेज 11 पर

रायपुर से वापस पहुंचे बिलासपुर

भाटापारा से ट्रेन रवाना होने के बाद जब चारों की आंख खुली तो उन्हें बैग नहीं दिखा। रायपुर स्टेशन से चारों वापस बिलासपुर स्टेशन पहुंचे और आरपीएफ-जीआरपी को इसकी सूचना दी। आईटीबीपी रांची 40वीं बटालियन के चारों जवानों में हेड कांस्टेबल जितेंद्र सिंह और एएसआई योगेंद्र प्रसाद ओझा, आरक्षक बुद्धदेव मलिक व राजू साहू थे। पिस्टल और कारतूस रखे बैग की चोरी की सूचना मिलते ही आरपीएफ पोस्ट बिलासपुर, टास्क टीम, सीआईबी बिलासपुर, जीआरपी की टीम चांपा से लेकर बिलासपुर और भाटापारा के बीच सतर्क हो गई और सभी जगह बैग की ▶▶शेष पेज 11 पर

संपत्तिकर के अग्रिम भुगतान पर 30 तक मिलेगी 5 फीसदी की छूट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

शहर के करदाताओं को संपत्ति कर के अग्रिम भुगतान पर नगर निगम 5 फीसदी की छूट दे रहा है। यह छूट जुलाई से 30 सितंबर तक प्रॉपर्टी टैक्स के अग्रिम भुगतान पर दी जा रही है। जबकि इससे पूर्व माह अप्रैल से जून माह तक संपत्ति कर एडवांस वसूली को प्रोत्साहित करने नगर निगम के 70 वार्डों के करदाताओं को 6.25 फीसदी छूट का लाभ दिया गया। नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने इस बार निगम के राजस्व विभाग को शहरभर से 450 करोड़ रुपए की राजस्व वसूली ▶▶शेष पेज 11 पर

- बड़े बकायादारों को 31 अक्टूबर तक शत-प्रतिशत डिमांड बिल वितरण का टार्गेट

प्रति सप्ताह राजस्व वसूली की दें रिपोर्ट

नगर निगम के संपत्ति कर वसूली में तेजी लाने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया है, जिसमें विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे बड़े बकायादारों के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई करें। वहीं हर सप्ताह राजस्व वसूली रिपोर्ट निगम मुख्यालय को प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

चकल्लस

वक्त-वक्त की बात है

वक्त-वक्त की बात होती है। जब वक्त अच्छा होता है तो हर तरफ पूछपरख होती है, बुरे वक्त में कोई पूछता नहीं। भाजपा की नई कार्यकारिणी में कई पुराने पदाधिकारियों की विदाई हो गई है। मीडिया विभाग में भी नया संयोजक बनाया गया है। पहली बार किसी को सहसंयोजक भी नहीं बनाया गया है। खबरी बता रहा था, पुराने संयोजक और सहसंयोजक में पटरी नहीं बैठती थी। इनके विचार नहीं मिलते थे, जिसका नुकसान पार्टी को उठाना पड़ता था। ऐसे में जहां इस बार सिर्फ संयोजक बनाया गया है, वहीं भाजपा के वाट्स एप मीडिया ग्रुप से पुराने संयोजक और सहसंयोजक से एडमिन का अधिकार भी छीन लिया गया है। मतलब जो कुछ समय पहले तक सबकुछ थे वह अब कुछ नहीं हैं।

यलगार होगा

भाजयुमो के पूर्व अध्यक्ष अपने एजेंडे पर टिके हुए हैं। डीएमएफ फंड के इस्तेमाल पर सवाल उठाकर पार्टी के निशाने पर आ गए। कुछ दिन बाद उन्हें भाजयुमो अध्यक्ष पद से हटा दिया गया। पार्टी ने नोटिस दिया तो पूर्व अध्यक्ष ने जवाब दे दिया। लगा सब ठीक हो गया। लेकिन हरिभूमि से बात करते हुए पूर्व अध्यक्ष ने अपनी मंशा जाहिर कर दी। दो टूक कहा, अगला विधानसभा चुनाव लड़ूंगा और मुद्दा तो डीएमएफ फंड का सही इस्तेमाल ही होगा। उनसे पूछा गया कि पार्टी ने टिकट नहीं दिया तो? उन्होंने कहा, तब की तब देखी जाएगी। मतलब यलगार होकर रहेगा।

दोराहे पर रेजीडेंट डॉक्टर

आंबेडकर अस्पताल के क्रिटिकल केयर और निश्चेतना विभाग एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कुछ समय पहले व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए दोनों विभाग अलग-अलग किए गए, जिससे एक साथ काम करने वाले डॉक्टरों के बीच दूरियां बढ़ती गईं। अब स्थिति यहां तक पहुंच चुकी है कि मरीजों के बेसुध करने वाली जूनियर डाक्टरों को गंभीर मरीजों का इलाज करने वाले विभाग में जाने की अघोषित रूप से मनाही है। रेजीडेंट डॉक्टर इस बात को लेकर कश्मकश की स्थिति में है कि क्रिटिकल केयर का ज्ञान लेना छोड़ नहीं सकते, मगर निश्चेतना विभाग के सीनियरों का फरमान में भी नजरअंदाज नहीं कर सकते।

मोक्षित पार्ट-2

सरकारी अस्पतालों में दवा सप्लाई करने वाली एक स्थानीय दवा कंपनी इन दिनों स्वास्थ्य गलियारों में मोक्षित पार्ट-2 के नाम से चर्चित होने लगी है। सीजीएमएससी से जुड़े स्थानीय सप्लायरों के बीच इस बात की चर्चा जोरों पर है कि तगड़ी सेटिंग की वजह से बाजार से ज्यादा कीमत होने के बाद भी दवाओं का ठेका इसी के हिस्से में जा रहा है। अस्पतालों में काफी मात्रा में खपत होने के बाद पैरासिटामोल टेबलेट में फंगस पाया गया। इस मामले में कंपनी पर सजा की दरकार थी, मगर उसके खाते में दवा सप्लाई का बड़ा टेंडर आ गया।

त्रिकोणीय मुकाबला

कांग्रेस के अंदर त्रिकोणीय मुकाबला चल रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री बड़े खिलाड़ी हैं हीं। सरकार के खिलाफ जोरदार पारी खेल रहे हैं लेकिन उन्हें अपने ही कप्तान से कड़ी टक्कर मिल रही है। प्रदेशाध्यक्ष के पद पर सवाल उठा तो बैज जी ने पूर्व मंत्री से माफी मंगवा ली। वह भी तब जब पूर्व मुख्यमंत्री कह चुके थे कि पूर्व मंत्री ने कुछ गलत नहीं कहा। इन दोनों के बीच एक और कोण है। जो न पूर्व मुख्यमंत्री के साथ है न प्रदेशाध्यक्ष के साथ। वह दोनों की बारी-बारी से पीठ सहलाता और थपथपाता रहता है। और कहता है-तुम संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं। खबरी बता रहा था कि तीसरा गुट वर्तमान में चल रहे मुकाबले के नतीजों का इंतजार कर रहा है। उसके बाद वह मैदान में खुलकर उतर जाएगा।

का वर्षा जब कृषि सुखानी...

प्रदेश में धान की बुआई पूरी होने के साथ ही किसानों का पंजीयन करने पोर्टल में आ रही दिक्कतों के बाद विभाग सक्रिय हो गया है। किसानों को उनकी बोई गई फसल बेचने का इंतजाम करने सहकारी सोसायटी में शिविर लगाए जाएंगे। किसानों को कहना है कि लोग हमारी दिक्कतों को तक तक नहीं समझते, जब तक हम उग्र न हों। चाहे वह खाद का मामला हो या पंजीयन का, सबमें समय निकलने के बाद ही सिस्टम सक्रिय होता है। उनका कहना है कि जब खाद की जरूरत थी, तब ही अगर सप्लाई हो जाती तो ब्लैक में नहीं खरीदनी पड़ती।

आसमान से गिरे खजूर पर अटके

संस्कृत विद्यामंडलम में जो ना हो जाए वो कम है। यहां बीते दिनों पुराने वाले साहब हटाए गए और नए की एंट्री हुई। जिन्हें यहां बुलाया गया वे साहब इससे पहले मंडल में थे। पुष्पाराज से तंग आकर उन्होंने तबादले की अर्जी डाली थी। सालभर इंतजार के बाद उन्हें पहले से ही विवादग्रस्त संस्कृत बोर्ड में भेजा गया। साहब ने सोचा कि अब वे चैन की बांसुरी बजाएंगे, लेकिन वो कहावत सुनी है ना आपने... आसमान से गिरे, खजूर पर अटके। बस वह कहावत साहब पर चरितार्थ हो गई। यहां एक महापात्र व्यक्ति ने उनकी नाक में दम किया हुआ है। नियम-कायदे ये पात्र व्यक्ति मानते नहीं और किसी भी तरह की कार्रवाई पर मंत्री तक पहुंच की धौंस दिखाते हैं। बेचारे साहब, अब पुनः तबादले का विचार कर रहे हैं।

नई-नई समस्याएं

जीवन में नयापन होना बहुत ही जरूरी है। समस्याएं भी आएं तो नई-नई ही आए वरना ना ही आए तो बेहतर। समस्याओं में नवाचार सीखना हो तो शिक्षा विभाग से सीखें। मुसीबतों को बुलाने शिक्षक दिवस पर एकदम नया टाइप का ही नवाचार कर डाला। पहले से ही शिक्षकों को अवार्ड दे दिए और पुरस्कार वितरण के नाम पर उनकी मात्र 'फोटू' खींची गई। किरकिरी होने के बाद अब उस अधिकारी की खोज की जा रही है, जिन्होंने अपने आकाओं को खुश करने यह दिमाग दिया। रिवार्ड मिलता तो सज्जन स्वयं आगे आ भी जाते। दंड प्राप्त करने अब कौन आगे आए? इतना भी नवाचार नहीं करना है भैया कि पूरी दुनिया की मुसीबतें खुद ही खड़े कर बैठें।

शिक्षकों की नैतिक शिक्षा

खबरें उठाकर देखिए, गुरुजी अपने कारनामों की वजह से चर्चा में हैं। शराबखोरी का तो पूछिए ही मत। टेबल पर टांग रखकर सोते हुए आए दिन फोटो और वीडियो जारी हो रहे हैं। हाल ऐसा है कि अगर अचानक किसी दिन पूरे प्रदेश में जांच करा दी जाए तो न जाने कितने पैग वाले फंस जाएंगे। यह सही है कि नब्बे फीसदी अपना का काम ईमानदारी और नैतिकता के साथ कर रहे हैं, लेकिन यह जो दस पर्सेंट हैं, उनकी वजह से नब्बे पर्सेंट बदनाम हो रहे हैं। लगता है बहुत से शिक्षक खुद नैतिकता भूल गए हैं। सरकार के साथ शिक्षक संघों को इनके बारे में विचार करना चाहिए।

राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला, विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

एनएचएम हड़ताल की आंच 'कृमिमुक्त' अभियान पर, बच्चों को 15 को नहीं खिलाएंगे दवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्वास्थ्य संचालनालय से जारी हुआ आदेश, 19 का मॉपअप राउंड भी नहीं

एनएचएम कर्मचारियों की हड़ताल का असर छोटे बच्चों को कृमिमुक्त रखने दवा खिलाने वाले सरकारी अभियान पर पड़ा है। स्वास्थ्य संचालनालय द्वारा 15 सितंबर को दवा खिलाने और 19 सितंबर को होने वाले मॉपअप राउंड को अपरिहार्य कारणों से स्थगित करने का आदेश जारी किया है। इस अभियान के लिए बड़ी संख्या में मानव संसाधन की आवश्यकता होती है, हड़ताल के कारण इसकी व्यवस्था होना असंभव है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा साल में दो बार छोटे बच्चों को कृमिनाशक दवा का सेवन कराया जाता है। इसके लिए बड़ा लक्ष्य निर्धारित कर स्कूलों में और विशेष शिविर लगाकर बच्चों को कृमि की दवा खिलाई जाती है। शेड्यूल के मुताबिक, इसके लिए 15 सितंबर को मुख्य अभियान और 19 सितंबर को मॉपअप राउंड का आयोजन किया जाना था। स्वास्थ्य संचालनालय की ओर से इस अभियान को स्थगित करने का आदेश जारी कर दिया गया है। इसके लिए किसी तरह की विशेष वजह नहीं बताई गई है। सूत्रों का कहना है कि इस बड़े अभियान को स्थगित करने की प्रमुख वजह राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों की हड़ताल है। ज्यादातर स्वास्थ्य केंद्र एनएचएम के डॉक्टर सहित अन्य चिकित्सकीय स्टाफ के भरोसे संचालित होते हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जाने वाले किसी भी बड़े अभियान में इनकी भूमिका प्रमुख होती है। बड़ी संख्या में कर्मचारी नहीं होने की वजह से इस अभियान की सफलता पर संदेह था। इस अभियान के साथ नियमित टीकाकरण, शिशु संरक्षण माह जैसे कार्यक्रम भी प्रभावित हैं।

स्वास्थ्य केंद्रों की हालत नहीं सुधरी

राजधानी के गली-मोहल्ले में संचालित होने वाले हमर क्लीनिक और हमर अस्पताल की हालत लगातार बिगड़ रही है। चिकित्सकीय कर्मचारी नहीं होने की वजह से यहां अपनी समस्या लेकर आने वाले मरीजों को निराशा का सामना करना पड़ रहा है। इलाज नहीं होने तथा टीकाकरण के लिए आने वाली गर्भवती माताओं और बच्चों को अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

एल्बेंडाजोल अमानक

कृमिमुक्त अभियान में बच्चों को खिलाई जाने वाली दवा एल्बेंडाजोल होती है, जिसकी बड़ी बैच जांच में अमानक मिल चुकी है। दवा कंपनी को अमानक दवा के बदले नया स्टाक भेजने के निर्देश दिए गए हैं, मगर इतने कम दिनों में पर्याप्त स्टाक की उपलब्धता संभव नहीं है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि अभियान को स्थगित करने की एक वजह यह भी हो सकती है।

चार सौ यूनिट पर अब देने पड़ रहे हजार रुपए ज्यादा

इस माह बिल देखकर चौंकिए मत, छूट खत्म एपीपीएएस शुल्क का भी लग रहा झटका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेशभर के 65 लाख बिजली उपभोक्ताओं को इस बार सितंबर के बिल में एपीपीएएस शुल्क का भी बड़ा झटका लगा है। दो माह तक राहत के बाद अब सितंबर के बिल में 7.10 फीसदी एपीपीएएस शुल्क भी लग रहा है। ऐसे में घरेलू उपभोक्ताओं को महंगी बिजली का डबल झटका लग रहा है। अब हर माह बिजली की कीमत तय होने के कारण हर माह शुल्क में आमतौर पर इजाफा हो जाता है। एक तो अगस्त से बिजली बिल हॉफ योजना में 400 यूनिट तक बिल हॉफ को कम करके सौ यूनिट कर दिया गया है। ऐसे में 400 यूनिट की खपत पर हजार रुपए ज्यादा बिल देना पड़ रहा है। इसी के साथ जुलाई के लिए जो एफपीपीएएस तय किया गया है, उसके कारण भी चार सौ यूनिट की खपत में करीब डेढ़ सौ रुपए ज्यादा देने पड़ रहे हैं। ऐसे में 400 यूनिट की खपत पर इस बार 12 सौ रुपए ज्यादा देने पड़ रहे हैं। प्रदेश में अब तक बिजली उपभोक्ताओं से वीसीए के स्थान पर उत्पादन लागत के अंतर की राशि को उपभोक्ताओं से वसूलने के लिए नया फार्मूला फ्यूल पॉवर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएएस) लागू है। सबसे पहले 2023 के अप्रैल में पहली बार नया फार्मूला लागू किया गया। बीते दो साल से उपभोक्ताओं को एफपीपीएएस शुल्क के नाम से हर माह झटका ही लगता रहा है। पहली बार यह झटका इस साल अप्रैल के बिल में नहीं लगा था।

इसके बाद मई में फिर शुल्क 7.32 फीसदी लगा। जून के बिल में एफपीपीएएस 0.12 माइनस हो गया। इसके बाद जुलाई में भी एफपीपीएएस शुल्क 1.44 फीसदी माइनस में रहा। लेकिन अब एक बार फिर से एफपीपीएएस शुल्क 7.10 फीसदी हो गया है। ऐसे में उपभोक्ताओं को बीते माह जो 1.44 फीसदी माइनस के कारण कम पैसे लगे थे, वो और इस बार का 7.10 फीसदी मिलाकर 8.54 फीसदी शुल्क का झटका लग रहा है।

अब 400 यूनिट पर हजार रुपए ज्यादा

प्रदेश भर के घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को बीते छह साल से 400 यूनिट की खपत पर बिजली बिल आधा देना पड़ रहा था। इसमें ऊर्जा प्रभार के साथ एफपीपीएएस शुल्क आधा लगता था तो हजार रुपए से एक हजार 50 रुपए तक बिल में कम हो जाता था। लेकिन अब अगस्त से बिजली बिल हॉफ की सीमा को सौ यूनिट कर दिया गया है तो 400 यूनिट की खपत करने वालों को हजार रुपए ज्यादा देने पड़ रहे हैं। सौ यूनिट से ज्यादा खपत होने पर सौ यूनिट पर भी हॉफ योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। इस बार उपभोक्ताओं का जो बिल आ रहा है, वह बीते माह से करीब-करीब डबल हो गया है। जिनका बिल पहले छह सौ रुपए आता था, उनका बिल अब 12 सौ रुपए और 12 सौ रुपए वालों का करीब 24 सौ रुपए आ रहा है।

आप का संगठन विस्तार उत्तम, देवलाल प्रदेश महासचिव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आम आदमी पार्टी ने संगठन विस्तार करते हुए नई नियुक्तियां की हैं। पुराने पदाधिकार अपने पदों पर बने रहेंगे। इसके साथ नई कार्यकारिणी घोषित की गई है। उत्तम जायसवाल और देवलाल नरेटी को प्रदेश संगठन महासचिव नियुक्त किया गया है। प्रदेश महासचिव वदूद आलम ने कहा, नई कार्यकारिणी घोषित होने पर प्रदेश में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल बना हुआ है। इससे पहले जो कार्यकर्ता पार्टी की जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे थे, वे अपने पदों पर बरकरार रहेंगे। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश प्रभारी डॉ. संदीप पाठक तथा प्रदेश सह प्रभारी मुकेश अहलावत ने कार्यकर्ताओं नई जिम्मेदारी सौंपी है। जिन्हें नई जिम्मेदारियां प्रदान की गई हैं, उनमें अधिकतर वे नाम हैं जो लंबे समय से पार्टी से जुड़े हुए हैं।

इन्हें मिली जिम्मेदारी

जारी सूची के अनुसार, जसबीर सिंग चावला प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष, खड़क राज सिंह प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष, भानु प्रकाश चंद्रा प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मेहर सिंह वट्टी प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष,अभिषेक मिश्रा प्रदेश उपाध्यक्ष (प्रभारी कोरबा रायगढ़ जोन), सुखवंती सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष(प्रभारी प्रदेश पंचायत), रुसेन कुमार मिरी प्रदेश उपाध्यक्ष(प्रभारी एससी विंग), उत्तम जायसवाल प्रदेश संगठन महासचिव, देवलाल नरेटी प्रदेश संगठन महासचिव, अरुण नायर प्रदेश संगठन मंत्री(प्रभारी बिलासपुर जांजगीर-चांपा जोन, संतोष कुशवाहा प्रदेश सचिव, देवेंद्र सिंह भाटिया प्रदेश सचिव, विजय वर्मा प्रदेश सचिव, सुरेंद्र बिसेन प्रदेश संयुक्त सचिव आदि को जिम्मेदारी दी गई है।

कांग्रेस का 'वोट चोर गद्दी छोड़' आंदोलन कल बिलासपुर में, पायलट होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ राज्यव्यापी 'वोट चोर, गद्दी छोड़' आंदोलन की तैयारी तेज कर दी है। 9 सितंबर को बिलासपुर से बड़े आंदोलन और रैली की शुरुआत होगी। एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट प्रदेश स्तरीय प्रदर्शन में हिस्सा लेने आ रहे हैं। श्री पायलट का यह दौरा कार्यकर्ताओं में जोश भरने के साथ ही पार्टी की अंदरूनी राजनीति को भी गरमा सकता है। उनके दौरे के दौरान कई कांग्रेसी रविंद्र चौबे और नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत की शिकायत करने की तैयारी में हैं।

कांग्रेस में अंर्तकलह के बीच प्रदेश प्रभारी से चौबे और महंत की होगी शिकायत

कांग्रेस नेताओं के बीच बयानबाजी से पार्टी अंर्तकलह सामने आई है। पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के बयानों के बाद अब नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत का "चमचे" वाला बयान विवादों में है। कांग्रेस के कई नेता इस टिप्पणी को लेकर सचिन पायलट से शिकायत करने की तैयारी में हैं। आरोप यह भी है कि संगठन में पक्षपातपूर्ण कार्रवाई हो रही है, जिससे अंर्तकलह और गहरा रहा है।

सभी जिलों में होगी रैली

बिलासपुर में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम के बाद रायपुर सहित सभी जिला मुख्यालयों में रैलियां आयोजित की जाएंगी। कांग्रेस इसे भाजपा सरकार की नीतियों और चुनाव में कथित "वोट चोरी" के खिलाफ बड़ा जन आंदोलन बनाना चाहती है। हालांकि संगठनात्मक तैयारियों को लेकर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि एआईसीसी ने यह कार्यक्रम पहले 22 अगस्त से 7 सितंबर तक निर्धारित किया था, लेकिन इसकी गति धीमी रही।

मंत्री केदार का बंगला आज घेरेगी कांग्रेस

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप द्वारा जगदलपुर सर्किट हाउस में चतुर्थ वर्ग कर्मचारी के साथ की गई मारपीट के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में सोमवार को राजधानी रायपुर में उनके बंगले का घेराव किया जाएगा। मंत्री की बर्खास्तगी की मांग को लेकर सोमवार को दोपहर 12 बजे गांधी मैदान कांग्रेस भवन से कांग्रेसी उनके बंगले के लिए कूच करेंगे।

कैबिनेट कल, बस्तर के बाढ़ प्रभावितों को राहत पर चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंगलवार 9 सितंबर को कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है। साय कैबिनेट की यह पहली बैठक होगी, जिसमें सभी 14 मंत्री शामिल होंगे। बताया जा रहा है कि बैठक में प्रदेश से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। बस्तर के बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए राहत और पुनर्वास पैकेज, किसानों को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियां, आगामी त्योहारी सीजन में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, निवेश प्रोत्साहन से जुड़े प्रस्ताव और कुछ विभागों से संबंधित नीतिगत निर्णयों पर विचार किया जा सकता है। पिछली कैबिनेट बैठक 19 अगस्त को हुई थी। तब मंत्रिमंडल विस्तार नहीं हुआ था और सीमित मंत्रियों की उपस्थिति में केवल चुनिंदा प्रस्तावों पर चर्चा हो सकी थी।

खबर संक्षेप

मां कर्मा जयंती समारोह में मंत्री खुशवंत पहुंचे

आरंग। कर्मा माता मंदिर प्रांगण आरंग मे कर्मा माता जयंती समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि गुरु खुशवंत साहेब कैबिनेट मंत्री का स्वागत प्रदेश उपाध्यक्ष लल्ला साहनी के नेतृत्व में साहनी समाज आरंग द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि ध्रुव कुमार मिर्धा अध्यक्ष चर्मकार शिल्पकार बोर्ड और समाज के प्रदेश अध्यक्ष के.आर. सागर का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम मे साहनी समाज के संरक्षक प्रभु लाल साहनी, समाज के अध्यक्ष सुनील साहनी, पूर्व अध्यक्ष बजरंग साहनी, गोविंद साहनी, गोपी साहनी, , कोषाध्यक्ष चेतन सहीस, पंकज साहनी, घनश्याम साहनी (मंत्री अनुसूचित जाति मोर्चा भाजपा आरंग मण्डल), प्रदेश के मीडिया प्रभारी भीमा सागर, शिव साहनी (झलप), अनिल साहनी, अजय साहनी, चंकी साहनी आदि उपस्थित थे।

56 पौवा शराब जब्त एक कोचिया गिरफ्तार

तिल्दा नेवरा। नेवरा पुलिस एवं एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि स्टेट बैंक के पास नेवरा निवासी राजेश उर्फ पप्पन पंजवानी पिता स्व सेवक राम पंजवानी उम्र 37 वर्ष के द्वारा हरे रंग के थैला में अवैध रूप से शराब रखकर लोगो को बिक्री कर रहा है, सूचना पर पुलिस द्वारा रेड कार्यवाही कर आरोपी के कब्जे से 56 पौवा देशी/अंग्रेजी शराब को जप्त किया गया आरोपी को धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर शनिवार देर शाम न्यायालय में पेश किया गया है।

मादक प्रदार्थ जब्त आरोपी गिरफ्तार

अभनपुर। पुलिस अधीक्षक रायपुर के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अटल नगर व सीएसपी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह श्याम के नेतृत्व में मुखबिर की सूचना पर ग्राम चंडी नहर के पास रेड कार्यवाही कर आरोपिया घुरवा महार पति द्वारिका तिवारी को पकडक़र उसके कब्जे से 420 ग्राम मादक पदार्थ को जप्त कर अपराध पंजीबद्ध कर आरोपिया को न्यायिकहिरासत न्यायालय रायपुर भेजा गया है।

कृषि अधिकारी संघ का आज और कल संकेतिक हड़ताल

आरंग। छत्तीसगढ़ कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारी इस संघ नौ सूत्रीय मांगों को लेकर आठ सितम्बर से चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर रहे हैं, इस संबंध में शासन प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया है। संगठन के जिलाध्यक्ष आर.के. दास ने बताया कि संघ की प्रांतीय बैठक में लंबित मांगों की पूर्ति हेतु चरणबद्ध आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है।

किसान सम्मलेन में सुगंधित फसलों व उन्नत तकनीक की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

ग्राम तोरला मे सीएसआईआर भारतीय समवेत औष्यद संस्थान द्वारा सुगंधित फसलों की खेती की उन्नत तकनीक संबंधित एक दिवसीय जागरुकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं किसान सम्मैलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धनेंद्र साहू (पूर्व मंत्री) ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के छायाचित्र का पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्जवित कर शुभारंभ किया। तत्पश्चात उन्होंने क्षेत्र के आए हुए किसानो एवं संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम मे पहुँचे प्रशिक्षक एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज किसान भाईयो को धान फसल साथ साथ सुगंधित फसलों एवं उन्नत तकनीक से जैविक खेती के लिए जागरुक होना बहुत जरूरी है। जो आने वाला भविष्य आमदनी एवं स्वास्थ्य के लिए सुनहरा अवसर को प्राप्त कर सकता है।

तोरला में किसान सम्मलेन संपन्न

योजनाओं से लाभ उठाने की अपील की

किसान भाईयो के पास भूमि की गुणवत्ता एवं सिचाई सुविधाओ की परिस्थिति को देखते हुए नई तकनीक की खेती के लिए शासन प्रशासन द्वारा अनेक योजनाओ को लागू किया जा रहा है जिसको अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम मे उपस्थित अधिकारियों द्वारा सुगंधित फसलों की खेती की उन्नत तकनीक के साथ रोजाग्रास तुलसी मोनार्डा जैसे औषधि युक्त पौधों से दवा स्वाद एवं सुगंध उद्योग मे प्रयुक्त जैसे उपयोग के बारे मे विस्तार से जानकारी दिए। कार्यक्रम मे प्रवीण साहू (सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी छ.ग.), श्रवण चंद्राकर (पूर्व सदस्य कृषक कल्याण परिषद), दानीराम साहू (पूर्व सदस्य जिला पंचायत रायपुर), डामन साहू (उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर), संजीव गिरी (सदस्य जनपद पंचायत अमनपुर), अक्षय साहू सतीश ध्रुव (सरपंच प्रतिनिधि), भागवत साहू तेजराम साहू (पूर्व सरपंच), झनक राम आवडे, भोलाराम चंद्राकर, गिरधर नागरिया, नेमीचंद साहू, कुंजलाल साहू, सज्जन साहू, बिसहत साहू, टीकम साहू, अशोक साहू, डॉ नंदकुमार साहू, महेश साहू, हिमांचल पाल, डिहुराम साहू, शिवकुमार साहू, डॉ वेदप्रकाश, विष्णुराम साहू, दिनदयाल पूरी, गैंदलाल साहू, लालाराम तारक, रामगुलाल साहू, प्रकाश साहू, पुरन वर्मा सहित वरिष्ठ किसान जनप्रतिनिधि गण एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

राहत : कलेक्टर के निर्देश पर जेसीबी व ट्रैक्टर की मदद से पानी के बहाव को एक घंटे में रोका

महानदी की मुख्य नहर फूटी, किसानों की सूझबूझ और अधिकारियों की सक्रियता से टली बड़ी तबाही

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग/चंदखुरी

महानदी मुख्य नहर में शुक्रवार दोपहर अचानक आई दरार ने हजारों एकड़ फसल डुबोने का खतरा खड़ा कर दिया था, लेकिन किसानों की जागरूकता और अधिकारियों की त्वरित सक्रियता से बड़ी तबाही टल गई। घटना नहर के 84वें किलोमीटर पर घटित हुई, जहां सिचाई के लिए लगी कुलापा के पास तेज पानी के दबाव से मिट्टी घुलकर लगभग 15 फीट चौड़ा हिस्सा कट गया। ग्राम कुकरा के किसान खेमचंद साहू ने अपने खेत में खाद छिड़कते समय नहर का गंदा पानी देखा और स्थिति को भांपते ही तत्काल सरपंच नंदलाल डहरिया को सूचना दी।

- सरपंच के साथ दर्जनभर युवकों ने संकट काल में दिखाई सक्रियता और मिल राहत

झाड़ी और मिट्टी डालकर पानी को रोका: सरपंच मौके पर एक दर्जन युवकों के साथ पहुंचे और झाड़ियों व मिट्टी डालकर पानी के बहाव को रोकने का प्रयास किया। साथ ही जिला पंचायत सदस्य वतन चन्द्राकर को जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही चन्द्राकर ने तत्काल कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, जिला पंचायत सीईओ सहित अन्य अधिकारियों को अवगत कराया। वहीं सरपंच ने सिंचाई विभाग के टाइमकीपर रामेश्वर साहू को खबर दी। अधिकारियों ने बिना देर किए एक घंटे के भीतर जेसीबी व ट्रैक्टर की मदद से मरम्मत कार्य शुरू कराया। तेजी से काम कर कटे हुए हिस्से को बंद कर पानी के बहाव पर काबू पाया गया। इसके बाद अधिकारियों व किसानों ने राहत की सांस ली।

5000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था

सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता साहू ने बताया कि वर्तमान में 20 मीटर चौड़ी इस नहर में लगभग 5000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था, जो बलौदाबाजार-भाटापारा के किसानों की मांग पर 6 सितंबर को बढ़ाया गया था। घटना के बाद रुद्री बैराज से पानी की मात्रा घटाकर 500 क्यूसेक कर दी गई।किसानों का कहना है कि नहर में रीमॉडलिंग हुए 15 साल बीत चुके हैं, लेकिन इस दौरान न तो साफ-सफाई हुई और न ही मार्टरिंग। इसी लापरवाही के चलते दरार फूटी। किसानों का यह भी कहना है कि अगर यह हादसा रात में होता तो हजारों एकड़ धान की खड़ी फसल तबाह हो जाती। इधर घटना के बाद जिला पंचायत सदस्य वतन चन्द्राकर ने कहा यदि किसानों ने समय रहते सूचना नहीं दी होती तो भारी तबाही हो सकती थी। प्रशासन ने भी तुरंत प्रतिक्रिया देकर यह साबित किया कि किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाता है।

मौके पर पुलिस तैनात

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारी देर शाम तक मौके पर तैनात रहे। किसानों की सूझबूझ और प्रशासन की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया, लेकिन इस घटना ने नहरों के रखरखाव पर सवाल खड़े कर दिए हैं।घटना स्थल पर कलेक्टर डॉ गौरव सिंह एस डी एम आरंग अभिलाषा पैकरा सहित राजस्व के तमाम अधिकारी सिचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता एस के साहू सहित अन्य कर्मचारी लम्बोदर पटेल डी एस पी व मंदिरहसौद थाना प्रभारी आशीष यादव दलबल के साथ सुरक्षा की दृष्टि से मौजूद थे।इनके अलावा सिचाई पंचायत के पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र शर्मा थान सिंह साहू धनी राम साहू ग्राम पंचायत रीवा के सरपंच घसिया राम साहू पूर्व सरपंच चन्द्रप्रकास साहू संडी के पूर्व सरपंच महेश साहू सहकारी समिति लखौली के अध्यक्ष दिनेश चन्द्राकर सिंचाई विभाग के पूर्व कर्मचारी शिरीष साहू हरि राम साहू मन्नू यादव कोटवार मानिकदास मानिकपुरी सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

राधा- कृष्ण स्कूल में शिक्षक दिवस पर शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

राधा कृष्ण विद्या मंदिर उच्च.मा. विद्यालय में बड़े ही धूमधाम से शिक्षक दिवस समारोह मनाया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यक्ष बृजेश अग्रवाल समिति के नए सदस्य अर्पित चौधरी एवं शाला के प्राचार्या निशा श्रीवास्तव तथा विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं तथा स्कूल के बच्चे उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा अर्चना व दीप प्रज्ज्वलित कर प्रारंभ किया गया एवं भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन मनाते हुए श्रद्धांजलि दी गई और साथ ही इस दिन शिक्षकों का महत्व उनकी मेहनत और लगन के लिए यह एक राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया गया। सरस्वती वंदना आरती एवं त्रिवेणी एवं स्वागत गीत फातिमा द्वारा प्रस्तुत किया गया। उसके पश्चात विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं का तिलक लगाकर पुष्पगुच्छ एवं सुगंधित फूलों के पौधा देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष बृजेश कुमार अग्रवाल के द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं को भेंट के रूप में श्रीफल, शॉल, शिवमहापुराण एवं पेन प्रदान किया गया। शाला की प्राचार्या द्वारा जीवन में शिक्षकों का महत्व एवं शिक्षक और विद्यार्थी के बीच संबंध जिसमें एक दूसरे को समझना और बच्चों को सही मार्गदर्शन देना ही शिक्षक का कर्तव्य होता है, समझाया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के बच्चों द्वारा अपने शिक्षकों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया था। जिसमें कुर्सी दौड़ में प्रथम प्रभा चंद्राकर, द्वितीय मोनिका साहू एवं रैंपवॉक में प्रथम अंजली वर्मा रही। इस कार्यक्रम को गरिमामई रूप से संचालित करने में विद्यालय के खुशबू, नीलम, सुप्रिया, कशीका, प्राची, मुस्कान, त्रिवेणी, मीनाक्षी, आरती, फातिमा, मयंक, वैभव, हिमांशु एवं समस्त छात्र-छात्राओं का भरपूर योगदान रहा।

गणेशजी के विसर्जन के लिए तालाब तक बिछाया कारपेट

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

धर्मनगरी आरंग मे गणेशोत्सव का विसर्जन के बेला मे श्री विघ्नहर्ता ने एक अलग अंदाज मे पुर्ण सादगी रूपेण एक मिशाल शहर के लिये पेश की। जिसमे गणपति जी को पंडाल से लेकर विसर्जन तालाब तक रेड कारपेट बिछा लगातार पुष्प वर्षा कर, गणपति जी को अपने सिर मे एक के बाद के विराजमान करते हूवे आगे बढ रहे थे। साथ ही स्वयं समिति के बच्चे व सदस्य ढोलक व मंजिरा बजाते हूवे भजन भी कर रहे थे। आपको बता दे जब श्री विघ्नहर्ता की डोली निकली तो नगर के लोग उत्साहित हो बप्पा को अपने सर मे बिठाने को आतुर थे समिति के सदस्यो ने सबका सम्मान भी किया व बारी बारी सभी को सम्मान दिया। एक विशेष जानकारी पुनः

आप सभी को है की श्री विघ्नहर्ता के सदस्यो ने इस 10 दिवस 10 सेवा कार्य कर भी एक नया उदाहरण शहर को दिया। जिसमे संदेश पुरी तरह से सकारात्मकता से समिति के सदस्यो को प्राप्त हूवा। समिति के सदस्यो ने बताया की आने वाले समय मे इस सभी योजनाओ को और विस्तार कर सभी सेवाकार्य जारी रखेंगे। श्री विघ्नहर्ता परिवार की ओर से सदस्य पुष्कर साहू, पंकज सिदार ने सभी प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहयोगीयो हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया।

लापता नाबालिग लड़के का मिला शव, तीन हिरासत में

तिल्दा नेवरा। तिल्दा के समीपस्थ ग्राम पंचायत कोटा से विगत 26 अगस्त को लापता हुए 14 वर्षीय नाबालिग लड़के का शव गांव के बाहर झाड़ियों के बीच से बरामद

- हत्या और अप्राकृति कृत्य की आशंका, विवेचना

किया गया है। भारी बदबू के चलते लोगों ने जाकर देखा तब इसकी जानकारी हुई। ग्रामीणों ने तुरंत नेवरा पुलिस को खबर की, नेवरा पुलिस घटना स्थल पहुंची और मर्ग कायम किया है, ग्रामीणों के अनुसार जिस स्थान पर नाबालिग का शव मिला है वहां पर पत्थर के टुकड़े भी मिले है। बता दें कि उक्त 14 वर्षीय नाबालिग लड़का विगत 26 अगस्त से लापता हो गया था 27 अगस्त को परिजनों ने नेवरा थाना पहुंचकर गुमसुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करवाई थी, वहीं शव सड़ चुका है, फॉरेंसिक टीम सहित एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम तिल्दा पहुंची हुई है।

नाबालिग की की आशंका भी व्यक्त की जा रही है। इधर रविवार देर शाम पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार मामले में 3 लोगों को हिरासत मे रखा गया है उनसे पूछताछ की जा रही है, बताया जाता है कि नाबालिग के साथ अप्राकृतिक कृत्य किया गया है और किसी को पता मत चले करके आरोपियों ने 26 अगस्त को ही नाबालिक की हत्या कर दी, पुलिस सूत्रों ने बताया कि नाबालिग का पहले गला दबाया गया फिर पत्थर से उसकी हत्या कर दी गई। रविवार देर रात तक या सोमवार सुबह तक मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

जन चौपाल में नशाखोरी पर रोक लगाने डिस्पोजल व पानी पाउच पर प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदिर हसौद

नगर पालिका परिषद मंदिर हसौद के अंतर्गत ग्राम कुरूद में लगातार बढ़ती हुई नशा खोरी के कारण अपराध चोरी लुट जुआ और मार पीट आम बात थीं जिसके चलते पूरे नगर में माहौल खराब हो रहा था। जिससे परेशान होकर नगर वासियों ने 7 अगस्त को एक भव्य जन चौपाल का आयोजन स्कूल परिसर में किया ।

जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष ,थाना प्रभारी सहित नगर के बुजुर्ग ,महिला ,युवा बड़ी संख्या सैकड़ो की संख्या में चौपाल में सम्मिलित हुए। और नशाखोरी के खिलाफ आवाज बुलंद किए । जिसमें इस चौपाल का मुख्य उद्देश्य नगर में विभिन्न तरह के नशीले पदार्थों शराब गांजा टैबलेट की अवैध बिक्री पर रोक लगाना जो कोचियो के माध्यम से गांव में शराब बिक्री एवं गाजा बिक्री सहित विभिन्न नशे का कारोबार फल फूल रहा है। जिसे बंद करने के लिए सभी

- किसी भी प्रकार के नशीली पदार्थ बचने पर भरना होगा जुर्माना

ग्राम वासी एकत्रित होकर इसका विरोध किया और सभी ने नशाखोरी के खिलाफ एक स्वर में शपथ लिए । कार्यक्रम में नशा मुक्ति के लिए हमेशा आगे रहने वाले ग्रामीण क्षेत्र से भूपेंद्र शर्मा एवं संजय शर्मा ने अपनी बातें लोगों के सामने रखी एवं नगर पालिका के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष सहित थाना प्रभारी ने भी अपना वक्तव्य लोगों को दिया एवं समाज को कैसे नशा से दूर किया जा सकता है ।उस पर प्रकाश डाला इस बैठक में नशे की सामग्री बेचने वाले के ऊपर भी जुर्माना का प्रावधान बनाया गया है । एवं सूचना देने वाले को इनाम की भी राशि दी जाएगी इसके साथ ही गांव में ताश, पासा सहित खुला डिस्पोजल पानी पाउच पर भी पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने की बात कही और सभी के लिए एक जुर्माने की राशि निर्धारित की गई है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भूपेन्द्र शर्मा, संजय शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष गोपाल चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष ओम प्रकाश यादव, पार्षद राकेश मिश्रा, सागर पटेल ,मंजू ललित कश्यप सहित ग्रामवासी ओमकार (बिट्टू पटेल),पतालू मंडल, गजाधर पटेल, काशी धीवर, शोभा साहू,गोवर्धन सिंहा, आदि मौजूद थे।

झांकियों से झिलमिल...

अधिक छोटी-बड़ी गणेश प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। सोमवार रात से गणेश विसर्जन झांकियां निकलेंगी। इसके लिए शहर की विभिन्न आयोजन समितियों ने दुर्ग, राजनांदगांव, दलदल सिवनी से अलग-अलग थीम पर आकर्षक झांकियां शहर में मंगाई हैं। बारिश को देखते हुए इनमें से कुछ झांकियों को प्लास्टिक पन्नी से ढंककर सुरक्षित भी रखा गया है।

राजनांदगांव से पहुंची...

को लोगों कौतूहलवश देखा। कमलनयन नाम वाली झांकी में भगवान श्रीराम, भक्त हनुमान और माता दुर्गा की आकर्षक प्रतिमा दर्शाई गइर है। सोमवार रात यह झांकी राजधानीवासियों को देखने को मिलेगी। लायंस क्लब गुरुनानक चौक की गणेश उत्सव समिति इस बार शिवजी की थीम वाली झांकी प्रस्तुत करेगी। गजराज मोक्ष और भगवान शिव द्वारा भस्मासुर राक्षस का वध वाला प्रसंग इस बार झांकी में दिखेगा। यह झांकी तैयार है, बारिश के कारण अभी इसे पन्नी से ढंककर रखा गया है। इसी तरह दलदल सिवनी में तैयार भारतमाता थीम वाली झांकी सोमवार को आकर्षण का केंद्र रहेगी।

तालाबों में 80 जगहों पर...

विसर्जन कर रहे हैं। लोग अपनी सुविधा अनुसार घरों, प्रतिष्ठानों में स्थापित गणेश की छोटी प्रतिमाओं को अस्थायी विसर्जन कुंड लाकर दे रहे हैं। जहां उनके द्वारा पूजा-अर्चना के बाद एकत्र हुई गणेश प्रतिमा को निगम की गाड़ियों में लेकर महादेवघाट विसर्जन कुंड तक पहुंचाया जा रहा है।

जमकर गरजे बादल, घंटेभर...

बारिश इतनी तेज थी कि कुछ देर में ही प्रमुख सड़कों पर पानी भर गया और कई इलाकों में जाम की स्थिति बन गई। इससे मौसम में बदलाव हुआ और ठंडक की स्थिति बनी। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, मानसून द्रोणिका अपनी सामान्य स्थिति उत्तरी गुजरात और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम

पेज 09 के शेष...

राजस्थान, गुना, दमोह, गोपालपुर होते हुए बंगाल की खाड़ी तक मौजूद है। इसके प्रभाव से अगले तीन दिन प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में बारिश की गतिविधि बढ़ने की संभावना है।

1000 लोगों की चेक...

आधार पर आरोपी को पकड़ लिया गया। चोरी गई पिस्टल, कारतूस आरोपी से जब्त की गई है, परंतु नकद रकम सिर्फ 700 रुपए मिली है। जीआरपी के अनुसार, आईटीबीपी के सहायक उपनिरीक्षक कटैया थाना बिहिया भोजपुर निवासी योगेंद्र प्रसाद ओझा 4 सितंबर को हटिया से दुर्ग के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन के जनरल कोच में अपने तीन साथियों के साथ सफर कर रहे थे। चारों की ड्यूटी डोंगरगढ़ में लगाई गई थी, जिसके लिए चारों को दुर्ग से डोंगरगढ़ तक सफर करना था। देर रात 3 बजे के बाद चारों की आंख लग गई। इस दौरान दो जवानों ने अपने बैग को बर्थ के बीच में रख दिया था, जिसमें 2 नग 9 एमएम आटोमैटिक पिस्टल, 24 कारतूस, 4 नग खाली मैगजीन, 10 हजार रुपए और मोबाइल सहित कपड़े व अन्य दस्तावेज रखे हुए थे।

आरोपी को पता था जवानों का है बैग

आरोपी रंजीत मरकाम ने जीआरपी को पूछताछ में बताया कि आईटीबीपी के जवान जिस ट्रेन में सफर कर रहे थे। उसी कोच में वह भी था। वह जानता था कि बैग जवानों के हैं। बैग को रखते हुए उसने देखा। बैग उठाने से पहले उसने बर्थ पर सो रहे जवानों को हिलाकर उठाने कोशिश की, लेकिन दोनों जवान नहीं उठे। तब वह बैग लेकर वहां से चल दिया।

चप्पल ही देखते...

था। वहीं सीसीटीवी फूटेज में उक्त व्यक्ति के पैर में चप्पल दिखाई दी। इसके आधार पर बिलासपुर रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्र में करीब 1000 लोगों की चप्पलों की जांच की, इसी आधार पर आरोपी स्टेशन के बाहर पकड़ में आया।

रायपुर से वापस...

छानबीन करने लगी। सीसीटीवी फूटेज में आरोपी के दिखने के बाद भी किसी तरह की कार्रवाई नहीं होने के बाद आईटीबीपी के एक जवान योगेंद्र प्रसाद ओझा की शिकायत पर जीआरपी ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 305 (सी) बीएनएस के तहत अपराध कायम कर लिया। 48 घंटे के भीतर आरोपी ग्राम खम्हरिया भाटापारा ग्रामीण बलौदाबाजार निवासी रंजीत मरकाम को चप्पल के आधार पर गिरफ्तार कर लिया गया।

छात्रों का खाता...

बैंक खाते का विवरण सही-सही दर्ज किया गया हो। प्रधानाचार्य को निर्देश दिए गए हैं कि डेटा को अंतिम रूप देने से पहले खुद इसकी व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करें और सुनिश्चित करें कि किसी परीक्षक या पर्यवेक्षक का कोई डेटा अधूरा न रहे।

लिफ्ट लेकर कार...

थाना क्षेत्र की है। कुलदीप यादव की शिकायत पर पुलिस ने लूट के आरोप में पंडरी कापा निवासी ललित यादव उर्फ लल्ला को गिरफ्तार किया है। कुलदीप ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह 4 सितंबर को दोपहर 12 बजे अपने ट्रांसपोर्ट के काम से कार लेकर हीरापुर आया था। काम समाप्त होने के बाद दोपहर ढाई बजे के करीब वापस दुर्ग लौट रहा था। इस दौरान ट्रांसपोर्टर ने रास्ते में अटारी के पास सिगरेट लेने एक पान दुकान के पास कार खड़ी की।

संपत्तिकर के अग्रिम...

का टार्गेट दे रखा है। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने हरिभूमि को बताया कि इस बार प्रॉपर्टी टैक्स के डिमांड बिल वितरण का कार्य स्वच्छता दीदी, स्वसहायता समूहों की महिलाओं को दिया गया है। साथ ही जोन कार्यालय के कर्मचारियों को भी इसमें लगाया गया है।

चाकू से किया हमला, 1 गिरफ्तार, 1 की तलाश

तिल्दा नेवरा। प्रार्थी ललित साहू नेवरा निवासी के पडोस में छट्ठी कार्यक्रम था जहां पर निमंत्रण मिलने पर प्रार्थी व उसका परिवार गया हुआ था। रात्रि में आरोपी राजा साहू अपने अन्य साथी होमेश साहू के साथ छत पर बैठकर शराब पी रहा था जिसे प्रार्थी व उसके परिवार के लोग मना किये तो आरोपियो के द्वारा प्रार्थी को गंदी गंदी गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुये हाथ मुक्का व किसी धारदार वस्तु से मारकर चोट पहुँचाये जिसकी रिपोर्ट पर नेवरा पुलिस ने धारा 296, 115(2), 351(3),118(1), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध कायम कर आरोपीगण का पता तलाश करते हुये आरोपी राजा साहू पिता राजकुमार साहू उम्र 21 वर्ष वार्ड क्रमांक 8 नेवरा निवासी के मिलने पर उसे गिरफ्तार कर रिमाण्ड पर न्यायालय पेश किया गया है तथा उसका साथी मुख्य आरोपी होमेश साहू फरार है जिसकी पता तलाश हेतु मुखबिर लगाया गया है ।

बरडीह गांव के15 लोग पेट दर्द व उल्टी-दस्त से पीड़ित

सिलयारी। धरसींवा विधानसभा के बरडीह गांव में 15 लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए। इनमें से 5 लोगों को खरोरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि 10 अन्य लोगों को खरोरा के सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही धरसींवा के विधायक अनूज शर्मा ने तत्काल अस्पताल पहुंचकर मरीजों का हालचाल जाना और डॉक्टरों को बेहतर इलाज के लिए निर्देश दिए। मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा धरसींवा के अंतिम छोर के गांव बरडीह गांव में अचानक कई लोगों की तबीयत खराब होने लगी, जिसमें तेज पेट दर्द, उल्टी और दस्त जैसे लक्षण सामने आए। स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से सभी बीमार लोगों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय: घटना के बाद, स्वास्थ्य विभाग की एक टीम भी तुरंत बरडीह गांव पहुंची। टीम ने घर-घर जाकर लोगों की जांच की और उन्हें दूषित पानी न पीने की सलाह दी। इसके साथ ही, टीम ने पानी के सैंपल भी लिए हैं ताकि संक्रमण के कारण का पता लगाया जा सके।

नई समस्या, भोजन के बाद बच्चों को कैसे कराएं योग, शिक्षकों की परेशानी बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सुबह 7.30-11.30 के स्थान पर 10-4 बजे तक लग रही कक्षाएं

स्कूलों में शनिवार को शाला संचालन का समय परिवर्तित किए जाने के बाद शिक्षकों के सामने नई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं। नाराज शिक्षक अब पूर्व निर्धारित समय में ही कक्षा संचालन की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर, शिक्षकों के विरोध और समस्याओं को देखते हुए लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है। प्रस्ताव के मुताबिक शनिवार को सुबह 7.30 से 11.30 तक कक्षाओं का संचालन होगा।

- शनिवार के शाला समय में बीते माह किया गया है बदलाव, अब पुनः बदलने की तैयारी

गौरतलब है कि जिन स्कूलों में एक पाली में कक्षाओं का संचालन होता है, वहां सोमवार से शुक्रवार 10 से 4 कक्षाएं संचालित होती थी तथा शनिवार को सुबह की पाली में कक्षाएं लगती थी। बीते माह आदेश जारी कर इसमें परिवर्तन किया गया। सोमवार से शनिवार तक सभी दिन कक्षाएं सुबह 10 से 4 बजे करने आदेश जारी कर दिया गया। शनिवार को बैगलेस डे होता है। इस दिन योग व खेलकूद सहित अन्य गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। शिक्षकों का कहना है कि भोजन के बाद दोपहर में कैसे योग अथवा खेल करवाएं?

इसके अतिरिक्त एक अन्य दिक्कत भोजन अवकाश को लेकर है। युक्तियुक्तकरण के अंतर्गत एक ही शाला परिसर में लगने वाली कक्षाओं को मर्ज किया गया है। एक ही परिसर में संचालित विद्यालयों में भी नई समय-सारिणी के अनुसार, छोटे बच्चों को शनिवार को विलंब से भोजन मिलेगा, जबकि बड़े बच्चों को पहले ही भोजन मिल जाएगा। व्यवहारिक रूप से इस पर भी शिक्षक सवाल उठा रहे हैं।

शुरुआत से ही विरोध

विभिन्न शिक्षक संघ द्वारा शुरुआत से ही शाला समय में परिवर्तन का विरोध किया जाता रहा है। प्रधानपाठक संघ के प्रांताध्यक्ष मनोज साहू और महामंत्री सुरेश वर्मा का कहना है, जुलाई में शैक्षणिक कैलेंडर एवं बैगलेस डे के बारे मे 146 पृष्ठ का दिशा-निर्देश जारी किया गया। इसमें कहीं भी शनिवार को शाला संचालन का समय 7:30 से 11:30 को बदलकर 10 से 4 करने का निर्देश नहीं हैं। कुछ अधिकारी बिंदुओं की गलत व्याख्या कर शनिवार को शाला संचालन का समय परिवर्तित करने दबाव बना रहे हैं। नवाचार करने के चक्कर में शिक्षा विभाग के अधिकारी खाना खाकर 10 से 11 बजे के बीच योग, प्राणायाम करने निर्देश दे रहे हैं। स्कूल प्रयोगशाला बन कर रह गया हैं।

अधिक समय तक भूखा रखना अनुचित

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा का कहना है कि नई समय सारिणी के अनुसार, प्राथमिक शालाओं के भोजन अवकाश 1:45 बजे कर दिया गया है, जबकि माध्यमिक शालाओं के बच्चों को पूर्व की भांति 1:10 बजे ही मध्यान्ह भोजन दिया जाएगा। एक ही शाला परिसर में लगने वाली कक्षाओं के लिए यह अत्यंत अव्यवहारिक व आपत्तिजनक है। मिडिल स्कूल के अपेक्षाकृत बड़े बच्चे पहले मध्यान्ह भोजन कर रहे हैं। तब तक टाइमटेबल के अनुसार छोटे बच्चे इंतजार करते रहते हैं। प्राथमिक शाला के नन्हे बच्चों को लगभग 45 मिनट अतिरिक्त समय तक भूखा रखने का कोई विशेष कारण समझ नहीं आता है। छोटे बच्चे भोजन खुलते ही खाने की जिद करने लगते हैं। उन्हें रोक पाना मुश्किल होता है। संघ के पदाधिकारी शनिवार को भी शाला संचालन का समय सुबह 7:30 से 11:30 बजे तक ही रखने मांग कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

राजधानी में होगा पिछड़ा वर्ग का महाधिवेशन

रायपुर। पिछड़ा वर्ग के सभी समाजों की सक्रियता को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को अन्य विभाग और दिए गए ,हैं जिसमें पिछड़ा वर्ग प्रमुख है। श्री जायसवाल ने इसे अपना कर्तव्य मानते हुए समाज प्रमुखों को अपने निवास पर आमंत्रित कर चर्चा की और कहा, हमें अधिवेशन के लिए जहां भी जाना पड़े, जाएंगे और जिन्हें भी आमंत्रित करना पड़ेगा, करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर अगर समाज में पूर्ण रूप से जागृति आ गई तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को भी आमंत्रित किया जाएगा और अगर राज्य स्तर का कार्यक्रम रहा तो मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं अन्य मंत्रियों को आमंत्रित किया जाएगा। इसी दौरान छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग संगठन के अध्यक्ष सूरज निर्मलकर, मुख्य सलाहकार प्रो. घणाराम साहू, रोशन निर्मलकर, तेज तर्रार, भगवानू नायक, संतोष साहू, कलार समाज के पदाधिकारी के अलावा अन्य समाज के लोगों ने शामिल होकर अपने विचार रखे।

एमए भूगोल के परिणाम 92%

रायपुर। रविवि द्वारा एमए भूगोल सहित चार स्नातकोत्तर कक्षाओं के नतीजे सप्ताहांत में घोषित किए गए। एमए भूगोल चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा में 200 छात्र शामिल हुए थे। इनमें से 91.5% अर्थात 183 छात्रों को उत्तीर्ण घोषित किया गया है। एमएससी होम साइंस चतुर्थ सेमेस्टर के परिणाम 68.75% तथा एमएससी फिजिक्स द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम 63.23% रहे। होमसाइंस की परीक्षा में 16 तथा फिजिक्स की परीक्षा में 155 छात्र शामिल हुए थे।

नहीं रहे वरिष्ठ पत्रकार आशीष सिंह

रायपुर। कुशालपुर सिन्हा भवन निवासी वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं साहित्यकार ठाकुर आशीष सिंह का 7 सितंबर को निधन हो गया।

उनकी अंतिम यात्रा 8 सितंबर को दोपहर 1 बजे निवास स्थान से महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे स्वतंत्रता सेनानी ठाकुर प्यारेलाल सिंह के पौत्र, साहित्यकार स्व. हरि ठाकुर के पुत्र और अभिमन्यु सिंह, उपमन्यु सिंह के पिता थे। उनके निधन पर सीएम विष्णुदेव साय समेत कई राजनीतिज्ञों, साहित्यकारों, पत्रकारों एवं अन्य वर्गों ने भी शोक जताया है।

निधन

पुष्पा शर्मा

रायपुर। राधास्वामी नगर निवासी पुष्पा शर्मा (78) का 7 सितंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे संजय शर्मा, अशीष शर्मा, डॉ. अर्चना बाजपेई जबलपुर, छाया त्रिपाठी जबलपुर, डॉ. अलका तिवारी की माताजी थीं।

मनीषा लाखोटिया

रायपुर। शिवम विद्यापीठ के पास सत्यम विहार कॉलोनी निवासी मनीषा लाखोटिया का 7 सितंबर को निधन हो गया।

उनकी अंतिम यात्रा 8 सितंबर को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे संजय लाखोटिया की पत्नी और जय लाखोटिया की माता थीं।

चंपी बाई देवांगन

रायपुर। बाजार चौक चंगोराभाठा निवासी चंपी बाई देवांगन का 6 सितंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 7 सितंबर को महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे जीवनलाल, संजय, दिलेश्वर देवांगन की माता और तरूण, डॉ. रितेश, मंत्र देवांगन की दादी थीं।

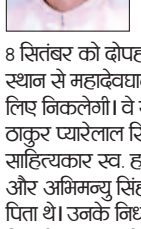

विधि के माध्यम से एमडीएमए की तस्करी पड़ोसी राज्य तक

ड्रग तस्करी के तार मुंबई, दिल्ली के साथ ओडिशा से भी जुड़े, वहां भी पड़ताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- विधि-नव्या को लेकर वीआईपी रोड पर दो गुटों में भिड़ंत

एमडीएमए ड्रग तस्करी की पड़ताल जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, इस मामले में कई रसूखदार चेहरे सामने आ रहे हैं। लगातार रसूखदारों के नाम सामने आने से कुछ लोग जांच प्रभावित करने पुलिस पर दबाव बना रहे हैं। जांच में ड्रग रैकेट का कारोबार ओडिशा तक फैले होने की जानकारी पुलिस को मिली है। ओडिशा कनेक्शन सामने आने के बाद पुलिस की एक टीम जांच करने वहां पहुंची है और स्थानीय पुलिस की मदद से पड़ताल कर रही है। पुलिस की पड़ताल में नव्या मलिक तथा विधि अग्रवाल द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर वर्ष 2018-19 में ड्रग नेटवर्क खड़ा करने की बात सामने आई है। नव्या ने अपने घर के सामने रहने वाले हर्ष आहूजा से दोस्ती कर ड्रग रैकेट में जोड़ा। इस तरह से ड्रग नेटवर्क फैलाने संपन्न वर्ग के युवाओं को ड्रग की लत लगाने के साथ अपने ग्रुप में जोड़ते गए।

बताया जा रहा है, कोविड के समय नव्या बेंगलुरु से रायपुर शिफ्ट हुई। रायपुर शिफ्ट होने के बाद विधि ने इवेंट का काम शुरू किया। इसी दौरान उसकी पहचान ऋषि राज टंडन से हुई। इसके बाद दोनों मिलकर अपने स्तर पर ड्रग का कारोबार करने लगे। इस दौरान विधि तथा नव्या की एक-दूसरे के साथ पहचान हुई। इसके बाद नव्या, विधि के साथ अयान परवेज, ऋषिराज आपस में मिलकर बड़े पैमाने पर ड्रग का कारोबार करने लगे।

ड्रग मामले में गिरफ्तार आरोपी 15 सितंबर तक न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल

एमडीएमए मामले में विधि के साथ नव्या पार्टी अटैंड करने विदेश जाती रही है

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एमडीएमए ड्रग मामले में गिरफ्तार नव्या मलिक, ऋषि राज टंडन के साथ जेल से पूछताछ करने रिमांड पर लिए गए हर्ष आहूजा, मोनू विश्नोई को शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने सभी आरोपियों को 15 सितंबर तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का फैसला सुनाया। आरोपियों से पूछताछ में पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। आरोपियों से प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस की एक स्पेशल टीम जांच कर रही है। आरोपियों के बयान के आधार पर पुलिस आने वाले दिनों में ड्रग रैकेट से जुड़े पैडलर के साथ ड्रग आपूर्ति करने वालों को गिरफ्तार करेगी।

- इंटीरियर, इवेंट के नाम पर नव्या, विधि क्लाइंट के साथ अक्सर विदेश जाती रही हैं

पुलिस जांच में जो बातें सामने आई हैं, उसके मुताबिक नव्या, विधि तथा ऋषि राज कई बार विदेश यात्रा कर चुके हैं।

मेंबर बनाने भराए जाते थे ऑनलाइन फार्म
दुबई, सिंगापुर की पार्टियों में शरीक रही नव्या

नेता पुत्र के साथ तुर्किए की सैर

राजधानी के एक नेता का बेटा जो पेशे से कारोबारी है, उसके साथ नव्या मलिक के तुर्किए जाने की जानकारी मिली है। नेता पुत्र के साथ नव्या किस उद्देश्य से तुर्किए गई थी, इस बात की जानकारी नहीं मिल पाई है। नव्या के नेता पुत्र के साथ कई बार विदेश जाने की जानकारी मिली है। इस मामले में कई हाई प्रोफाइल लोगों के नाम सामने आ रहे हैं। इस वजह से पुलिस पर दबाव बनाए जाने की जानकारी मिली है।

सबका काम बंटा हुआ था

पुलिस के अनुसार ड्रग रैकेट से जुड़े सभी लोगों का काम बंटा हुआ था। ऋषि राज पेशे से ई-वेंट मैनेजमेंट का काम करता था। वह उच्चादातर समय मुंबई में रहता था। बताया जा रहा है, मुंबई में रहने के दौरान ऋषि राज नव्या के संपर्क में आया। पुलिस ने ऋषि राज को मुंबई से गिरफ्तार किया है। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक हर्ष विधि तथा नव्या को ड्रग कस्टमर के मोबाइल नंबर उपलब्ध कराता था।

क्राइम के साथ ईओडब्ल्यू, एसीबी शामिल

कार्रवाई नहीं करने दबाव बनाने की कोशिश

विधि अग्रवाल मूल रूप से ओडिशा की रहने वाली है और एक पूर्व मंत्री तथा विधायक के विधि के रिश्ते में चाचा होने की बात सामने आई है। इसके चलते कुछ लोगों द्वारा विधि के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने पुलिस पर दबाव बनाने की कोशिश की गई। विधि के खिलाफ मजबूत साक्ष्य होने की वजह से दबाव काम नहीं आया। विधि के परिजन अपनी बेटी को अभी भी निर्दोष मानकर उसे जबरन फंसाए जाने का आरोप लगा रहे हैं।

छह महीने निगरानी के बाद कार्रवाई

राजधानी में बड़े पैमाने पर ड्रग खपाए जाने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने होटल, क्लब तथा पब में अपने मुखबिर तंत्र को एक्टिव किया। इसके साथ ही जो पूर्व में ड्रग लेते थे, उनसे संपर्क कर राजधानी में ड्रग खपाने वालों की जानकारी जुटाई। पुलिस को अपने मुखबिर तथा पूर्व में जो ड्रग लेने वाले थे, उनके माध्यम से नव्या नाम की युवती द्वारा ड्रग रैकेट चलाने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने नव्या के बारे में जानकारी जुटाई। सब तरफ से साक्ष्य कलेक्ट करने के बाद पुलिस ने नव्या तथा उससे जुड़े लोगों की गिरफ्तारी की। तब पुलिस को विधि, ऋषिराज के बारे में जानकारी मिली।

ड्रग्स नेक्सस से जुड़े दो गुट भिड़े

ड्रग्स नेक्सस के खिलाफ कार्रवाई के बाद विधि तथा नव्या से जुड़े लोगों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित हो गई है। बताया जा रहा है कि गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात वीआईपी रोड पर नव्या और विधि के समर्थक आपस में भिड़ गए। दोनों गुट के भिड़ने की वजह पुलिस पूछताछ के दौरान नव्या द्वारा विधि का नाम लेने की बात को लेकर विवाद हुआ। इस दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया था, लेकिन रसूखदार दो बिल्डरों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। गुटों में शामिल लोग वही थे, जो महिला पैडलरों से नशे का सामान लेते थे। हालांकि घटना की सूचना पुलिस तक नहीं पहुंची और न ही किसी थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

बस रूट से होती थी तस्करी

ड्रग रैकेट से जुड़े लोग ओडिशा में ड्रग सप्लाई करने बस रूट का इस्तेमाल करते थे। ओडिशा में नाइट बस से ड्रग सप्लाई किए जाने की बात सामने आई है। जो आदमी ओडिशा से ड्रग लेने आता था, उसे एक कोडवर्ड दिया जाता था। कोडवर्ड बताने पर ड्रग दी जाती थी। ओडिशा से ड्रग का सारा काम कैश से किया जाता था। ओडिशा में ड्रग खपाने का काम विधि के मार्गदर्शन में होता था।

शहर के श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क डोंगरगढ़ यात्रा 22 से

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शारदीय नवरात्र के शुभारंभ पर मां काली सेवा समिति द्वारा 22 सितंबर से निशुल्क डोंगरगढ़ दर्शन का आयोजन किया जा रहा है। इस बार प्रतिदिन राजनीतिक, सामाजिक, पत्रकारिता, चिकित्सा क्षेत्र की नामचीन हस्तियों द्वारा हरी झण्डी दिखाकर बसों को डोंगरगढ़ रवाना किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष दीपक भारद्वाज ने बताया कि मां जगदम्बा के भक्तों को माता के दरबार डोंगरगढ़ मां बम्लेश्वरी की निशुल्क यात्रा इस वर्ष भी 4 बसों के माध्यम से कराई जाएगी। बसें अपने प्रस्थान स्थल से सुबह 9.30 बजे चलकर गंतव्य तक पहुंचकर और श्रद्धालुओं के दर्शन करने के बाद निर्धारित समय पर डोंगरगढ़ से वापस रायपुर लौटेगी। उन्होंने बताया कि यह यात्रा इस बार पांच दिनों तक चलेगी, 22 से 26 सितंबर तक यदि औसतन 60 यात्री एक बस में सुविधाजनक रूप से यात्रा करते हैं तो रोजाना 240 यात्री एक दिन में यात्रा कर सकेंगे। यह यात्रा पूरी तरह निशुल्क है और यात्रा के लिए पूर्व पंजीयन अनिवार्य होगा। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर सीटें आवंटित की जाएंगी। भोजन एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था समिति द्वारा निशुल्क रहेगी। चारों बसें एक-दूसरे के पीछे चलती हुई डोंगरगढ़ पहुंचेंगी। यात्रा के लिए पूर्व पंजीयन समिति के इंदिरा चौक, श्याम नगर स्थित कार्यालय में 17 से 20 सितंबर तक सुबह 10 से दोपहर 2 बजे एवं शाम 4 बजे से 6 बजे तक श्रद्धालु अपने टिकट का पंजीयन करा सकेंगे। टिकट आरक्षण पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर दिया जाएगा। श्रद्धालु टिकट आरक्षण के लिए इन मोबाइल नंबरों 95163-63333 एवं 97131-54111 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

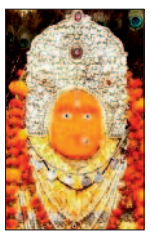

जल्द होगा समितियों का गठन

इस धार्मिक यात्रा को सफल बनाने के लिए जल्द ही विभिन्न समितियों का गठन किया जाएगा, जिनमें गुड्डू त्रिपाठी, श्रीचंद सुंदरानी, सुनील जग्गी, संतोष शुक्ला, राजू तारवानी, गोल्डी बेदी, संदीप परिहार, शंकर गुप्ता, गुरमीत सिंह टोनी, रोहित भारद्वाज, टीनू शर्मा, द्वारिका कुर्रे, धीरज जोधानी, दीपक पाठक, सुमीत यादव, करण भारद्वाज, संदीप प्रेमचंदानी, संजय जयसिंघानी, वरुण श्रीवास्तव, शुभम भारद्वाज, अशोक मानिकपुरी, विजय सिंह, गोलू यादव, प्रेम कुर्रे, राजेश गंगवानी आदि शामिल हैं।

सौर ऊर्जा जागरूकता समारोह आज

रायपुर। छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनी, नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रेक्षागृह, साइंस कॉलेज में सोमवार को सुबह 11 बजे से सौर ऊर्जा जागरूकता एवं प्रोत्साहन समारोह का आयोजन किया गया है। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे। अध्यक्षता प्रभारी मंत्री केदार कश्यप करेंगे। विशेष अतिथि सांसद रायपुर बृजमोहन अग्रवाल, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अध्यक्ष रोहित यादव होंगे। कार्यक्रम के संयोजक वितरण कंपनी के एमडी भीमसिंह कंवर हैं। इस अवसर पर पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में प्रदेश सरकार द्वारा प्रारंभ की गई सब्सिडी, प्रधानमंत्री कुसुम योजना के हितग्राहियों को लेटर ऑफ अवार्ड वितरण, पीएम सूर्यघर योजना के तहत शून्य बिजली बिल वाले उपभोक्ताओं का सम्मान, सोलर स्टडी रिपोर्ट एवं किसान पुस्तिका का विमोचन किया जाएगा। प्रत्येक जिले के लिए सूर्य रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

कलश यात्रा के बाद महाराष्ट्र मंडल में श्रीमद भागवत कथा शुरू, प्रतिदिन शाम 4 बजे से प्रवचन

ईश्वर की भक्ति और मोक्ष देवताओं को भी दुर्लभ

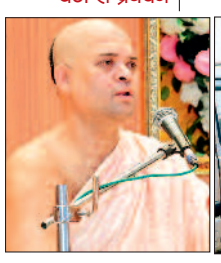

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महाराष्ट्र मंडल में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के पहले दिन रविवार को धर्मसभा विद्वतसंघ श्रीश्री जगतगुरु शंकराचार्य पीठम के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी निरंजनानंद आचार्य वेदमूर्ति धनंजय शास्त्री वैद्य ने भागवत का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि देवताओं को भी दुर्लभ, ईश्वर की भक्ति और मोक्ष इस कलयुग में हमें श्रीमद भागवत महापुराण का श्रवण करने मात्र से प्राप्त होता है। मरणासन्न अवस्था में राजा परीक्षित को महर्षि वेदव्यास के पुत्र शुकदेव ने श्रीमद भागवत की कथा पहली बार सुनाई। आचार्य श्री शास्त्री से संक्षिप्त कथा सुनने से पहले महाराष्ट्र मंडल की महिलाओं ने पीले व भगवा धारण कर कलश यात्रा निकाली, जो स्वामी आत्मानंद सरोवर के तट पर स्थित शीतला माता मंदिर में दर्शन-पूजन कर लौटी। तत्पश्चात चंद्रग्रहण का सूतक शुरू होने से पहले आचार्य शास्त्री ने संक्षिप्त कथा का वाचन किया। उन्होंने कहा कि मरणासन्न राजा परीक्षित ने शुकदेव से पूछा कि मृत्यु के निकट खड़े व्यक्ति को क्या करना चाहिए, जिसके उत्तर में शुकदेव ने उन्हें भगवान विष्णु के नाम का स्मरण करने, उनकी लीलाओं का श्रवण करने और भक्ति का अभ्यास करने का उपदेश दिया। इससे अंततः राजा को शांति, मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति हुई।

शीतला मंदिर तक निकली कलश यात्रा : श्रीमद भागवत कथा प्रारंभ होने के पूर्व बाजे-गाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा की प्रथम पंक्ति में अजय-मेघा पोतदार श्रीमद भागवत कथा को सिर पर उठाकर मंदिर तक पहुंचे। वहां से पूजा-अर्चना कर कलश यात्रा वापस कथास्थल पर लौटी। तदोपरांत मुख्य यजमान शचिंद्र और डॉ. शुचिता देशमुख ने श्रीमद भागवत और बालमुकुंद की आरती की।

पेज 09 शेष ...

झांकियों से झिलमिल...

अधिक छोटी-बड़ी गणेश प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। सोमवार रात से गणेश विसर्जन झांकियां निकलेंगी। इसके लिए शहर की विभिन्न आयोजन समितियों ने दुर्ग, राजनांदगांव, दलदल सिवनी से अलग-अलग थीम पर आकर्षक झांकियां शहर में मंगाई हैं। बारिश को देखते हुए इनमें से कुछ झांकियों को प्लास्टिक पन्नी से ढंककर सुरक्षित भी रखा गया है।

राजनांदगांव से पहुंची...

को लोगों कौतूहलवश देखा। कमलनयन नाम वाली झांकी में भगवान श्रीराम, भक्त हनुमान और माता दुर्गा की आकर्षक प्रतिमा दर्शाई गइर है। सोमवार रात यह झांकी राजधानीवासियों को देखने को मिलेगी। लायंस क्लब गुरुनानक चौक की गणेश उत्सव समिति इस बार शिवजी की थीम वाली झांकी प्रस्तुत करेगी। गजराज मोक्ष और भगवान शिव द्वारा भस्मासुर राक्षस का वध वाला प्रसंग इस बार झांकी में दिखेगा। यह झांकी तैयार है, बारिश के कारण अभी इसे पन्नी से ढंककर रखा गया है। इसी तरह दलदल सिवनी में तैयार भारतमाता थीम वाली झांकी सोमवार को आकर्षण का केंद्र रहेगी।

तालाबों में 80 जगहों पर...

विसर्जन कर रहे हैं। लोग अपनी सुविधा अनुसार घरों, प्रतिष्ठानों में स्थापित गणेश की छोटी प्रतिमाओं को अस्थायी विसर्जन कुंड लाकर दे रहे हैं। जहां उनके द्वारा पूजा-अर्चना के बाद एकत्र हुई गणेश प्रतिमा को निगम की गाड़ियों में लेकर महादेवघाट विसर्जन कुंड तक पहुंचाया जा रहा है।

जमकर गरजे बादल, घंटेभर...

बारिश इतनी तेज थी कि कुछ देर में ही प्रमुख सड़कों पर पानी भर गया और कई इलाकों में जाम की स्थिति बन गई। इससे मौसम में बदलाव हुआ और ठंडक की स्थिति बनी। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, मानसून द्रोणिका अपनी सामान्य स्थिति उत्तरी गुजरात और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम राजस्थान, गुना, दमोह, गोपालपुर होते हुए बंगाल की खाड़ी तक मौजूद है। इसके प्रभाव से अगले तीन दिन प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में बारिश की गतिविधि बढ़ने की संभावना है।

1000 लोगों की चेक...

आधार पर आरोपी को पकड़ लिया गया। चोरी गई पिस्टल, कारतूस आरोपी से जब्त की गई है, परंतु नकद रकम सिर्फ 700 रुपए मिली है। जीआरपी के अनुसार, आईटीबीपी के सहायक उपनिरीक्षक कटैया थाना बिहिया भोजपुर निवासी योगेंद्र प्रसाद ओझा 4 सितंबर को हटिया से दुर्ग के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन के जनरल कोच में अपने तीन साथियों के साथ सफर कर रहे थे।

चारों की ड्यूटी डोंगरगढ़ में लगाई गई थी, जिसके लिए चारों को दुर्ग से डोंगरगढ़ तक सफर करना था। देर रात 3 बजे के बाद चारों की आंख लग गई। इस दौरान दो जवानों ने अपने बैग को बर्थ के बीच में रख दिया था, जिसमें 2 नग 9 एमएम आटोमैटिक पिस्टल, 24 कारतूस, 4 नग खाली मैगजीन, 10 हजार रुपए और मोबाइल सहित कपड़े व अन्य दस्तावेज रखे हुए थे। आरोपी को पता था जवानों का है बैग : आरोपी रंजीत मरकाम ने जीआरपी को पूछताछ में बताया कि आईटीबीपी के जवान जिस ट्रेन में सफर कर रहे थे। उसी कोच में वह भी था। वह जानता था कि बैग जवानों के हैं। बैग को रखते हुए उसने देखा। बैग उठाने से पहले उसने बर्थ पर सो रहे जवानों को हिलाकर उठाने कोशिश की, लेकिन दोनों जवान नहीं उठे। तब वह बैग लेकर वहां से चल दिया।

चप्पल ही देखते...

था। वहीं सीसीटीवी फूटेज में उक्त व्यक्ति के पैर में चप्पल दिखाई दी। इसके आधार पर बिलासपुर रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्र में करीब 1000 लोगों की चप्पलों की जांच की, इसी आधार पर आरोपी स्टेशन के बाहर पकड़ में आया।

रायपुर से वापस...

छानबीन करने लगी। सीसीटीवी फूटेज में आरोपी के दिखने के बाद भी किसी तरह की कार्रवाई नहीं होने के बाद आईटीबीपी के एक जवान योगेंद्र प्रसाद ओझा की शिकायत पर जीआरपी ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 305 (सी) बीएनएस के तहत अपराध कायम कर लिया। 48 घंटे के भीतर आरोपी ग्राम खम्हरिया भाटापारा ग्रामीण बलौदाबाजार निवासी रंजीत मरकाम को चप्पल के आधार पर गिरफ्तार कर लिया गया।

छात्रों का खाता...

बैंक खाते का विवरण सही-सही दर्ज किया गया हो। प्रधानाचार्य को निर्देश दिए गए हैं कि डेटा को अंतिम रूप देने से पहले खुद इसकी व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करें और सुनिश्चित करें कि किसी परीक्षक या पर्यवेक्षक का कोई डेटा अधूरा न रहे।

लिफ्ट लेकर कार...

थाना क्षेत्र की है। कुलदीप यादव की शिकायत पर पुलिस ने लूट के आरोप में पंडरी कापा निवासी ललित यादव उर्फ लल्ला को गिरफ्तार किया है। कुलदीप ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह 4 सितंबर को दोपहर 12 बजे अपने ट्रांसपोर्ट के काम से कार लेकर हीरापुर आया था। काम समाप्त होने के बाद दोपहर ढाई बजे के करीब वापस दुर्ग लौट रहा था। इस दौरान ट्रांसपोर्टर ने रास्ते में अटारी के पास सिगरेट लेने एक पान दुकान के पास कार खड़ी की।

संपत्तिकर के अग्रिम...

का टार्गेट दे रखा है। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने हरिभूमि को बताया कि इस बार प्रॉपर्टी टैक्स के डिमांड बिल वितरण का कार्य स्वच्छता दीदी, स्वसहायता समूहों की महिलाओं को दिया गया है। साथ ही जोन कार्यालय के कर्मचारियों को भी इसमें लगाया गया है।

सूरजपुर जिले की मितानिनों ने दिया धरना, 3 सूत्रीय मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य मितानिन संघ और प्रशिक्षण कल्याण संघ के आव्हान पर प्रदेशभर की मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, हेल्थ डेस्क फेसिलेटर और ब्लॉक को-ऑर्डिनेटर अपनी 3 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। रविवार को नवा रायपुर के तूता धरनास्थल पर सूरजपुर जिले के मितानिनों ने प्रदर्शन किया। मितानिनें पिछले एक माह से लंबित मांगों को लेकर आंदोलन कर रही हैं। दरअसल प्रदेशभर की मितानिनें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में संविलियन, वेतन में 50 फीसदी बढ़ोतरी और एनजीओ के अंदर कार्य नहीं करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही हैं। 4 सितंबर को उन्होंने प्रदेशव्यापी प्रदर्शन कर शासन का ध्यान आकर्षित कराया। 7 अगस्त से मितानिनों ने नवा रायपुर के तूता धरनास्थल पर संभाग स्तरीय प्रदर्शन कर अपने हक की आवाज बुलंद की। इन दिनों वे जिलेवार धरना दे रही हैं। संघ के प्रदेश अध्यक्ष सरोज सिंह सेंगर, प्रदेश सचिव चंद्रशेखर वासनिक ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रदेशभर में 75 हजार मितानिनें, 3250 मितानिन प्रशिक्षक, 280 हेल्पडेस्क फेसिलेटर और 295 ब्लॉक को-ऑर्डिनेटर इस हड़ताल में शामिल हैं। रविवार को सूरजपुर जिले के सूरजपुर, ओड़गी, भैयाथान, प्रतापपुर, प्रेमनगर और रामानुजनगर से बड़ी संख्या में मितानिनें तूता धरनास्थल पर जिला स्तरीय प्रदर्शन में शामिल होने पहुंची।

बरसात में सुर्ख रहने वाला टमाटर इस बार धड़ाम, 70 से कीमत 20 तक उतरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मानसून के सीजन में जब टमाटर का उत्पादन अपने राज्य छत्तीसगढ़ में नहीं होता है तो इसकी कीमत आमतौर पर आसमान पर चली जाती है और इसके दाम रूलाने लगते हैं। बीते माह टमाटर के दाम चिल्हर में 70 से 80 रुपए तक हो गए थे। इसके आगे सौ रुपए तक जाने की संभावना थी, लेकिन अचानक से इसके दाम आधे से भी कम हो गए हैं।

हरिभूमि सरोकार

इसके पीछे का कारण यह है कि इस समय टमाटर की बेंगलुरु से भरपूर आवक हो रही है। ज्यादा आवक के कारण ही थोक में अच्छी क्वालिटी वाले टमाटर के दाम 18 से 20 और चिल्हर में 30 रुपए हो गए हैं। कुछ कम क्वालिटी वाले टमाटर के दाम थोक में 15 रुपए और चिल्हर में 20 रुपए हो गए हैं। छत्तीसगढ़ में लोकल टमाटर की फसल दीपावली के बाद आती है। इसके बाद से ही टमाटर के दाम कम होने लगते हैं। इसके पहले दाम आसमान पर रहते हैं। बीते साल की ही बात करें तो बीते साल टमाटर के दाम लोकल फसल आने से पहले सौ रुपए के पार हो गए थे।

इसके बाद अक्टूबर में लोकल फसल की आवक के बाद दाम कम होते-होते नए साल में जाकर टमाकर के दाम पांच रुपए से भी कम हो गए थे।

अच्छी क्वालिटी का थोक में 20 और चिल्हर में 30 रुपए किलो

आवक बढ़ी तो दाम घटे

जब टमाटर के दाम ज्यादा थे तो रायपुर के थोक सब्जी मंडी डूमरतराई में रोज 10 से 12 ट्रक ही टमाटर आ रहे थे, जबकि आमतौर पर रोज 20 से 25 ट्रक टमाटर आते हैं। लेकिन अब फिर से रोज 20 ट्रक के आस-पास टमाटर आ रहे हैं और इसके दाम भी अब कम हो गए हैं। जो टमाटर बीते माह 12 से 14 सौ रुपए क्रेट में बिक रहे थे, वो अब मुश्किल से 500 से 600 रुपए क्रेट में बिक रहे हैं। ऐसे में थोक में इसके दाम 18 से 20 रुपए पड़ रहे हैं।

उत्पादन ज्यादा इसलिए घटे दाम

बेंगलुरु से इस सीजन में टमाटर आते हैं। कर्नाटक राज्य में इस बार ज्यादा उत्पादन होने के कारण आवक ज्यादा हो रही है तो दाम भी कम हो गए हैं। थोक में अच्छी क्वालिटी का टमाटर अधिकतम 20 रुपए किलो पड़ रहा है। बीते साल दाम बहुत ज्यादा थे।

-टी. श्रीनिवास रेड्डी, अध्यक्ष, डूमरतराई थोक सब्जी मंडी

जून से बढ़ने लगे थे दाम

लोकल टमाटर की फसल आमतौर पर ज्यादा से ज्यादा मई तक आती है, लेकिन यह अच्छी क्वालिटी की नहीं होती है। ऐसे में जून से जब ज्यादातर टमाटर की आवक बाहर के राज्यों से होने लगी तो इसके दाम लगातार बढ़ने प्रारंभ हो गए। जुलाई और फिर अगस्त में इसके दाम 70 से 80 रुपए चल चले गए। कारोबारियों का मानना था कि इसके दाम आने वाले समय में दीपावली से पहले 100 रुपए के पार हो जाएंगे।

खबर संक्षेप

संस्कृत विद्यामंडलम करेगा स्कूलों का औचक निरीक्षण

रायपुर। संस्कृत विद्यामंडल द्वारा प्रदेशभर के संस्कृत विद्यालयों का निरीक्षण किया जा रहा है। गुणवत्ता सुधार के लिए ये प्रयोग हो रहे हैं। इसके अंतर्गत महासमुंद के ज्योति गुरुकुल आश्रम संस्कृत विद्यालय कोसरंगी की जांच अधिकारियों द्वारा की गई। संस्कृत विद्या मंडलम के सचिव जेके अग्रवाल एवं सहायक संचालक अमित शुक्ला ने यहां आकस्मिक निरीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि सभी कक्षाएं सुचारू रूप से संचालित पाई गई। अध्ययन-अध्यापन का स्तर भी संतोषजनक पाया गया। बेहतर परिणाम के लिए सुझाव दिए गए हैं।

अनुभवी शिक्षकों को टेट से मुक्त करने मांग

रायपुर। एलबी संवर्ग के शिक्षकों की वर्षों से लंबित समस्याओं को लेकर छग टीचर्स एसोसिएशन ने स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव को ज्ञापन सौंपा। सभी संवर्ग के पदोन्नति के 28 हजार पदों पर पदोन्नति करने, लंबे अनुभव के आधार पर शिक्षक संवर्ग को टेट से मुक्त रखने, डीएड-बीएड को पदोन्नति में समान अवसर देने सहित दस सूत्रीय मांग रखी। प्रतिनिधि मंडल में प्रदेशाध्यक्ष संजय शर्मा, उपाध्यक्ष देवनाथ साहू, बसंत चतुर्वेदी, शैलेन्द्र यदु सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

दवाओं पर जीएसटी दर कम करने का स्वागत

रायपुर। रायपुर जिला दवा विक्रेता संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी अश्विनी विग ने जीएसटी कम करने के निर्णय का स्वागत किया है। सभी प्रकार की दवाओं पर जीएसटी दर 12 से 5 प्रतिशत करने से आम जनता को राहत मिलेगी, कैंसर दवाओं पर जीएसटी में छूट संवेदनशीलता सरकार की प्रदर्शित हुई, किंतु अनेक जीवनभर खाने वाली दवाओं को भी जीएसटी से छूट प्रदान की जानी चाहिए, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर और निम्नवर्ग के मरीजों को राहत मिल सके, हम आशा करते हैं, सरकार इस पर निर्णय जरूर लेगी। फीडिंग बॉटल्स पर जीएसटी की दर शून्य प्रतिशत होनी चाहिए, ब्लड ग्लूकामीटर एवं रक्त आदि जांच को 5% दर पर रखा गया है, उसे भी जीएसटी से छूट प्रदान करनी चाहिए, क्योंकि डायबिटीज के मरीजों को अपने रक्त शक्कर पर नियंत्रण के लिए ब्लड ग्लूकामीटर स्ट्रिप्स का प्रयोग प्रतिदिन करना पड़ता है।

दो वर्ष विलंब से सहकारी बैंक भर्ती परीक्षा का आयोजन किया व्यापमं ने

सहकारी बैंक भर्ती परीक्षा में पूछे आगी खाना उगलना बरसना और आगी बारना के मायने

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रविवार को पीएससी और व्यापम दोनों की बड़ी परीक्षाएं रही। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा खनिज निरीक्षक भर्ती परीक्षा आयोजित की गई। इसके लिए पीएससी को 2427 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से सिर्फ 1003 परीक्षार्थी ही शामिल रहे। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा सहकारी बैंक के अंतर्गत रिक्त पदों के लिए भर्ती परीक्षा ली गई। इसके लिए 8948 आवेदन मिले थे। इनमें से सिर्फ 918 ही परीक्षा दिलाने पहुंचे रहे। अत्यंत कम संख्या में अभ्यर्थियों के पहुंचने के कारण कई केंद्र लगभग सूने ही रहे। ये आंकड़े रायपुर जिले के हैं। दोनों ही परीक्षाओं की गोपनीय सामग्री जिला कोषालय कलेक्ट्रेट में 3 बजे जमा की गई।

हरिभूमि लगातार

व्यापम ने अपेक्स बैंक सहित 6 जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में भर्ती के लिए यह परीक्षा ली। कनिष्ठ प्रबंधक, उप प्रबंधक व सहायक प्रबंधक सहित 23 पदों पर इसके माध्यम से भर्ती होगी। पूर्व में यह परीक्षा 29 अक्टूबर 2023 को प्रस्तावित थी। दो वर्ष विलंब के उपरांत रविवार को हुई इस परीक्षा के लिए राज्य में 100 से अधिक तथा रायपुर में 29 सेंटर बनाए गए थे। पीएससी के साथ व्यापम की परीक्षाओं में भी छग से संबंधित कई रोचक प्रश्न पूछे गए। इसमें सामान्य ज्ञान सहित भाषा के सवाल शामिल रहे।

पीएससी ने ली खनिज निरीक्षक भर्ती परीक्षा, 1003 अभ्यर्थी ही पहुंचे पर्चे हल करने

खनिज निरीक्षक भर्ती परीक्षा में पूछे गए सवाल

- बारदोली प्रस्ताव कब पारित किया गया?
- 'यदि विद्रोहियों में से कोई एक भी योग्य नेता निकला होता तो हम सदा के लिए हार जाते।" 1857 की क्रांति में यह टिप्पणी किसके द्वारा की गई?
- 1857 की क्रांति को किसने हिंदू-मुस्लिम षडयंत्र का परिणाम बताया?
- पून, खुरपी, चतवार और कोपर का उपयोग बताइए?
- छत्तीसगढ़ नाम का प्रयोग किस चारण कवि की रचना में पाया जाता है?
- जलोद्भिद् का विशेष लक्षण क्या है?
- फिना किसका संक्षिप्तिकरण है?
- जोगीमारा गुफा संबंधित तथ्य।
- पारिस्थितिक तंत्र शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया?
- महात्मा गांधी के मान्य राजनीतिक परामर्शदाता कौन थे?
- ऐजारा कतरा किस कर से संबंधित है?
- किस मंदिर को बस्तर का खजुराहो कहा जाता है?

सहकारी बैंक भर्ती परीक्षा में पूछे गए सवाल

- छग राज्य ग्रामीण बैंक किसका संयुक्त उपक्रम है?
- छग में कर राजस्व का सबसे बड़ा स्त्रोत कौन सा है?
- सिर से पैर तक छग के पारंपरिक आभूषणों के बारे में बताएं।
- छग में कौन सा स्थान बाक्साइड के भंडार से संबंधित है?
- छग में कौन सा शैक्षणिक संस्थान सर्वप्रथम स्थापित हुआ?
- आगी खाना, आगी उगलना, आगी बरसना व आगी बारना के अर्थ।
- मछरी के गंध बर छत्तीसगढ़ी में का सब्द हरे?
- किस योजना का उद्देश्य किसानों को ऋण प्रदान करना है?
- कौटिल्य का अर्थशास्त्र किस भाषा में रचित है?

निर्देशों का असर... सफेद अब अघोषित ड्रेस कोड

व्यापम के बाद पीएससी द्वारा भी परीक्षाओं में ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। नवीन ड्रेस कोड लागू किए जाने के बाद यह पहली भर्ती परीक्षा रही, जो पीएससी द्वारा ली गई। पीएससी ने स्पष्ट रूप से उन रंगों का जिक्र किया था, जिन्हें नहीं पहना जाना था। इसका असर यह दिखा कि परीक्षा में शामिल अधिकतर अभ्यर्थी सफेद रंग की पोशाक में पहने थे। एक तरह से सफेद परिधान अघोषित ड्रेस कोड के रुप में नजर आया। दूसरी ओर व्यापम की शुरुआती परीक्षाओं में हुए विवाद के बाद अब इसकी परीक्षाएं भी शांतिपूर्ण तरीके से होने लगी है। खबर लिखे जाने तक किसी तरह के विवाद अथवा कपड़ों के रंग के कारण परीक्षार्थियों को रोके जाने की सूचना प्राप्त नहीं हुई।

भारतीय संस्कृति की आत्मा है संस्कृत, हमें इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना होगा : साय

- मुख्यमंत्री साय विराट संस्कृत विद्वत-सम्मेलन में हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय संस्कृति की आत्मा संस्कृत में निहित है, जो हमें विश्व पटल पर एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। संस्कृत भाषा व्याकरण, दर्शन और विज्ञान की नींव है, जो तार्किक चिंतन को बढ़ावा देती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रविवार को राजधानी रायपुर के संजय नगर स्थित सरयूपारीण ब्राह्मण सभा भवन में आयोजित विराट संस्कृत विद्वत-सम्मेलन को संबोधित करते हुए उक्त बातें कही। उन्होंने आगे कहा कि संस्कृत शिक्षा आधुनिक युग में भी प्रासंगिक और उपयोगी है। संस्कृत भाषा और साहित्य हमारी विरासत का आधार हैं, जिन्हें हमें संरक्षित और संवर्धित करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि देववाणी संस्कृत पर चर्चा के साथ यह सम्मेलन भारतीय संस्कृति, संस्कार और राष्ट्र को सुदृढ़ बनाने का एक महान प्रयास है। मुख्यमंत्री श्री साय ने संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संस्कृत भारती छत्तीसगढ़ और सरयूपारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

छत्तीसगढ़ी भाषा का संस्कृत से सीधा संबंध

सम्मेलन को संबोधित करते हुए संस्कृत भारती के प्रांताध्यक्ष डॉ. दादू भाई त्रिपाठी ने कहा कि इतिहास में ऐसे अनेक प्रमाण मिलते हैं, जिनसे सिद्ध होता है कि एक समय संस्कृत जनभाषा के रूप में प्रचलित थी। छत्तीसगढ़ी भाषा का संस्कृत से सीधा संबंध है। छत्तीसगढ़ी में पाणिनि व्याकरण की कई धातुओं का सीधा प्रयोग होता है। उन्होंने यह भी बताया कि सरगुजा क्षेत्र में सर्वाधिक आदिवासी विद्यार्थी संस्कृत की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

कार्यक्रम में ये हुए शामिल

सम्मेलन को दंडी स्वामी डॉ. इंदुभवानंद महाराज, सरयूपारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला और अखिल भारतीय संस्कृत भारती शिक्षण प्रमुख डॉ. श्रीराम महादेव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ. सतेंद्र सिंह सेंगर, अजय तिवारी, बद्रीप्रसाद गुप्ता सहित बड़ी संख्या में संस्कृत शिक्षक, सामाजिक प्रतिनिधि और अन्य उपस्थित थे।

गुरु दर्शन ...

रायपुर। रविवार को भादो पूर्णिमा महोत्सव एवं वंश गुरु गद्दी स्थापना दिवस के अवसर पर धर्मनगर दामाखेड़ा के आचार्य प्रकाशमुनि नाम साहेब और उदित मुनि नाम साहेब के दर्शन लाभ प्राप्त करने श्रद्धालु बड़ी संख्या में प्रकाश कुंज कटोरा तालाब में जुटे। तड़के 4 बजे से कतारबद्ध होकर लोगों ने दर्शन लाभ प्राप्त किया। प्रकाश पुंज स्थित कार्यक्रम स्थल पर सुबह 9 बजे गुरु महिमा पाठ के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इसके बाद उदितमुनि नाम साहेब गद्दी पर आसीन हुए, जहां उनकी आरती की गई। इस विशेष कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा शामिल हुए और दर्शन लाभ प्राप्त किया। आयोजन समिति सद्गुरु कबीर धर्मदास वंशावली मिशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि सद्गुरु कबीर धर्मदास सेवा समिति रायपुर परिक्षेत्र, अमीन माता महिला मंडल, नवयुवक मंडल एवं समस्त कबीरपंथ समाज का विशेष सहयोग रहा।

अब टीटीई लगाएंगे डिजिटल अटेंडेंस, तकनीक से ड्यूटी टाइम का मिलेगा सटीक रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय रेलवे ने अपने जांच कर्मचारियों यानी टीटीई और टीसी के लिए नई तकनीक की शुरुआत की है। ये कर्मचारी अब किसी तरह का 'खेल' नहीं कर पाएंगे। इससे कर्मचारियों की जवाबदेही बढ़ेगी और बेहतर ट्रेन ऑपरेशंस करने में मदद मिलेगी। फिलहाल इसकी शुरुआत पूर्व मध्य रेलवे के पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से की गई है, जहां पहली डिजिटल टीटीई लॉबी शुरू हो गई है। जल्द ही अब दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मंडलों में भी इसे लागू किया जाएगा।

रेल मंत्रालय के अनुसार, टिकट जांच कर्मचारियों के लिए एक नई बायोमेट्रिक साइन-ऑन और साइन-ऑफ तकनीक शुरू की गई है। रेलवे के इन नए कदम से ट्रेन ऑपरेशंस को आधुनिक बनाने में मदद मिलेगी और कर्मचारियों की जवाबदेही बढ़ेगी। इससे उत्तर रेलवे के बनारस मंडल, पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल, पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल, मध्य रेलवे के सीएसएमटी, पुणे और सोलापुर स्थित टीटीई लॉबी, पूर्व रेलवे के मालदा मंडल, दक्षिण पश्चिम रेलवे के मैसूर मंडल, पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल, दक्षिण रेलवे के मदुरै, पालघाट, त्रिची और पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा लॉबी में सफलतापूर्वक लागू किया जा रहा है।

ड्यूटी समय को सटीक रूप से करेगा रिकॉर्ड

नई प्रणाली बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण टिकट परीक्षक (टीटीई) लॉबी प्रणाली के साथ एंटीग्रेटेड होगी, जिससे कर्मचारी आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपकरण का उपयोग करके स्वयं को प्रमाणित कर सकते हैं। यह एक छेड़छाड़-रहित, पारदर्शी और गोपनीयता-अनुपालन प्रक्रिया सुनिश्चित करती है, जो वास्तविक समय में कार्य घंटों और ड्यूटी स्थिति को सटीक रूप से रिकॉर्ड करती है।

- जल्द ही दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मंडलों में भी किया जाएगा लागू

ड्यूटी मैनेजमेंट के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम की पहल

रेलवे कर्मचारियों की उपस्थिति को सटीक और सत्यापन योग्य बनाने के लिए अब बायोमेट्रिक साइन-ऑन/ऑफ प्रणाली लागू की जा रही है। नई प्रणाली के तहत कार्य घंटों और लॉबी ऑपरेशनों की प्रभावी निगरानी की जा सकेगी। साथ ही, हैंड हेल्ड टर्मिनल और ड्यूटी रोस्टर के साथ इसका एंटीग्रेशन किया जाएगा, जिससे कर्मचारी तैनाती को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा। इस तकनीकी पहल से टिकट जांच कर्मचारियों की कार्यकुशलता, पारदर्शिता और जवाबदेही में वृद्धि होगी, जिसका सीधा लाभ यात्रियों को बेहतर सेवा अनुभव के रूप में मिलेगा।

गणपति प्रतिमा विसर्जन झांकी, छह सेक्टर में बांटकर करेंगे निगरानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी में सोमवार को गणेश प्रतिमा विसर्जन झांकी निकाली जाएगी। कानून व्यवस्था बनाए रखने फील्ड में छह सौ पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा अलग से दो सौ के करीब अतिरिक्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई है। संदिग्धों की निगरानी के साथ उनकी धरपकड़ करने सिविल ड्रेस में दो सौ के करीब पुलिस जवानों की तैनाती की जाएगी। एएसपी सिटी के अनुसार, गणेश विसर्जन को लेकर रायपुर को छह सेक्टरों में बांटा गया है। सेक्टर की जिम्मेदारी एएसपी रैंक के अफसरों को दी गई है। गणेश प्रतिमा विसर्जन की झांकी की निगरानी करने कोतवाली तथा कालीबाड़ी स्थित ट्रैफिक थाने को कंट्रोल रूम बनाया गया है। पुलिस अफसर के अनुसार, गणेश विसर्जन झांकी में जो कोई भी नशे की हालत में पाया जाएगा, उसकी गिरफ्तारी कर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पुलिस की अलग-अलग टीमें तैयार की गई हैं, जो चाकूबाजों की निगरानी करने के साथ ही उनकी धरपकड़ करेगी। शहर को जिन छह सेक्टरों में बांटा गया है, उनमें शारदा चौक, जयस्तंभ चौक से कोतवाली, कोतवाली से कंकाली तालाब, कंकाली तालाब से पुरानी बस्ती, पुरानी बस्ती से लाखेनगर, लाखेनगर से महादेवघाट शामिल हैं। इन सभी सेक्टरों में भीड़ के हिसाब से बल की तैनाती की जाएगी।

पुलिस के पास वर्तमान में दो ड्रोन हैं। स्थिति के अनुरूप और ड्रोन की व्यवस्था की जाएगी। स्थिति के अनुरूप ड्रोन से निगरानी की जाएगी।

नक्सलियों से निपटने पामेड़ जंगल का एक बड़ा भू-भाग अर्धसैनिक बलों को देने विचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड 15वीं बैठक मंगलवार को नवा रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में होने जा रही है। बैठक का एजेंडा जारी कर दिया गया है। स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड की बैठक में इस बार 9 बिंदुओं पर विचार किया जाएगा। स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड की बैठक में छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश सीमा से सटे पामेड़ के 442.23 वर्ग किमी. के एक बड़े भू-भाग को अर्धसैनिक बलों को सौंपने विचार किया जाएगा।

स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड की बैठक के एजेंडा क्रमांक 15/3 में पामेड़ में अर्धसैनिक बलों को जगह देने के निर्णय पर विचार किया जाएगा। उक्त अभयारण्य क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से दुर्गम एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र में स्थित है, जिसके कारण वन्यजीव प्रबंधन, सर्वेक्षण एवं गश्त कार्य अत्यंत कठिन एवं जोखिमपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि राज्य के गृह विभाग तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के साथ वन अफसरों की एक संयुक्त बैठक पूर्व में हुई थी। इनपुट्स के आधार पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स ने पामेड़ में कैंप बनाने जगह देने प्रस्ताव दिया था।

नक्सलवाद पर लगेगी लगाम

पामेड़ का इलाका धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के साथ नक्सलियों का केंद्रबिंदु है। इसके चलते वर्तमान की परिस्थितियों में वन्यजीव प्रबंधन, सर्वेक्षण एवं निगरानी करना न केवल कठिन, बल्कि अत्यधिक जोखिमपूर्ण है। गृह विभाग एवं सीआरपीएफ ने भी बैठकों में यह स्पष्ट किया है कि यह क्षेत्र आंतरिक सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील है, अतः यहां उनके लिए प्रशिक्षण एवं कैंपिंग आधार स्थापित होना अत्यावश्यक है। पामेड़ में सीआरपीएफ की स्थायी कैंप बनने के बाद नक्सलियों से निपटने मदद मिलेगी।

सात सौ एकड़ जमीन देने पर विचार

सीआरपीएफ ने वन विभाग को 30 जुलाई को एक पत्र लिखा था। पत्र में ताड़पाला गांव के समीप लगभग 700 एकड़ भूमि, जिसमें 650 एकड़ जंगल वारफेयर कॉलेज एवं 50 एकड़ बटालियन कैंपिंग के लिए मांग की है। उल्लेखनीय है कि यह क्षेत्र भी पामेड़ वन्यजीव अभयारण्य के प्रस्तावित सीमा-युक्तियुक्तकरण में सम्मिलित है एवं सीमा-युक्तियुक्तकरण प्रस्ताव के नक्शों में भी अंकित है।

इस मांग को एनटीसीए ने किया खारिज

स्टेट वाइल्ड लाइफ की 14वीं बैठक में प्रदेश में बाघों की संख्या में वृद्धि के लिए पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश के बांधवगढ़, कान्हा टायगर रिजर्व से ढाई हजार चीतल लाने प्रस्ताव पास किया गया था। प्रस्ताव अनुरूप चीतल प्राप्त होने पर गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान बैकुण्ठपुर में एक हजार, गोमर्डा, भोरमदेव, उदंती-सीतानदी टायगर रिजर्व में पांच-पांच सौ चीतल को ट्रांसलोकेट करने प्रस्ताव पास किए थे। स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड की इस मांग को एनटीसीए ने खारिज कर दिया है।

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 8 सितंबर 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

‘ रंगीन लाइटों से सजी चलित झांकी में रावण को चुनौती देते, सोने की लंका जलाते और राक्षसों का वध करते हुए रामभक्त हनुमान हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच आकर्षण का केन्द्र बनेंगे। राधा-कृष्ण के जीवन प्रसंगों को भी आयोजक झांकी का हिस्सा बनाने वाले हैं। शिव महोत्सव थीम पर लोगों को भक्तिमय माहौल देने के लिए कारीगरों से बनवाई गई झांकी सोमवार की रात आठ बजे से राजधानी के हृदय स्थल जयस्तंभ चौक से आगे बढ़ेंगी। विसर्जन यात्रा का हिस्सा बनने के लिए पहुंचने वाले लोगों के बीच इस बार करीब 50 आकर्षक झांकियों की श्रृंखला सजने वाली है।’

हनुमानजी जलाएंगे सोने की लंका, करेंगे राक्षसों का वध शिव-पार्वती और नंदी संग भूत-प्रेत होंगे आकर्षण का केन्द्र

राजधानी में आज विसर्जन यात्रा में धर्म-प्रसंगों पर आधारित करीब 50 चलित झांकियां होंगी शामिल

रायपुर। आराध्य देव गणेशजी की विदाई से पहले तैयारियों का सिलसिला रविवार से शुरू हो गया है। अधिकांश छोटी-बड़ी समितियों ने उत्सव के बाद विसर्जन झांकी को खास बनाने के लिए प्रयास तेज किया है। गणेश प्रतिमा के साथ ही समितियों ने न केवल लाइटिंग, बल्कि मूर्ति के पीछे बैकग्राउंड कैसा होगा, इसे समझाते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा बनाई गई व्यवस्था के तहत सोमवार को शहर में झांकी के लिए तय प्रवेश समय से पहले सजाकर देने के लिए कारीगरों को सजग किया है। हर काम पर इन दिनों समिति के लोगों की पैनी नजर है। ग्रुप के लोग समय निकालकर गणेश विसर्जन में चलने वाली झांकियों की सुध लेने के लिए रविवार की शाम को भी पहुंचे। इस बार स्थल सज्जा से जुड़ी प्रतिमाओं को भी समितियों ने विसर्जन झांकी में शामिल करने का मन बनाया है। इससे गणेशोत्सव के दौरान पंडालों तक नहीं पहुंच पाए श्रद्धालुओं को स्थल सज्जा न देख पाने की कमी पूरी होगी। इसे बेहतर बनाने को लेकर समिति के लोग पुराने अनुभव के आधार पर खुले ट्रालों में सजाने वाले हैं।

स्वागत के लिए स्टेज, हर झांकी होगी खास

इस बार भी शहर के एमजी रोड, शारदा चौक से होते हुए सोमवार की रात आठ बजे से एक-एक करके झांकियों की श्रृंखला आगे बढ़ेगी। इसके लिए पुलिस प्रशासन के साथ ही समितियों ने तालमेल बनाया है। इस साल गणेश विसर्जन में आकर्षक और मनमोहक झलकियां नजर आने वाली हैं। झांकियों का रेला मालवीय रोड, कोतवाली से होते हुए महादेव घाट के लिए आगे बढ़ेगा। इस बीच समितियों का स्वागत करने और भक्तों का उत्साहवर्धन के लिए स्टेज भी सजने लगे हैं। इस बार हर झांकी आकर्षण का केन्द्र बनने वाली हैं, क्योंकि ज्यादातर आयोजकों ने अपनी झांकी को धार्मिक प्रसंगों पर आधारित किया है।

देव-दानवों की झांकी से सजेगा महोत्सव

नवनिर्माण गणेशोत्सव समिति के यश राठौर ने बताया कि अलग-अलग ट्रालों पर भगवान शिव-पार्वती, गणेश और कार्तिकेय के साथ ही नंदी, भूत-प्रेत की झांकियां भी शामिल होंगी। जिससे झांकियों की एक झलक पाने के लिए पहुंचने वाले लोगों के बीच अद्भुत माहौल बनेगा। भगवान गणेश इस बार महल में महाराज स्वरूप में ही विसर्जन झांकी में शामिल होंगे। इसके साथ ही झांकी देखने के लिए आने वाले भक्तों को भक्तिमय माहौल के साथ प्रकृति से जोड़ने के लिए ग्रीनरी का एहसास मिलेगा। इसे रंगीन लाइटों से बेहतर लुक दिया जाएगा। भगवान गणेश की मूर्ति भी इस बार अलग ही स्वरूप में देखने को मिलने वाली है। इसके लिए कारीगरों को शासन से मिली परमिशन के तहत तैयार करने कहा गया है।

भजनों से आकर्षक झांकी सजाने की तैयारी

मठपारा मॉडल्स क्लब गणेशोत्सव समिति ने उत्सव के दौरान स्थल सज्जा में भगवान विष्णु के दस अवतारों को शामिल किया था। इसे विसर्जन झांकी में भी सहेजने की तैयारी है। समिति के राकेश साहू ने बताया कि इस बार भगवान गणेश की प्रतिमा के साथ ही अलग-अलग ट्रालों पर लंका दहन करते हुए हनुमान लोगों के बीच आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। इस चलित झांकी के साथ ही हनुमान-रावण के बीच संवाद और भक्ति से ओतप्रोत भजनों से आकर्षक झांकी सजाने की तैयारी है। इसके लिए समिति के लोगों ने रविवार को अंतिम रूप देते हुए विसर्जन झांकी में व्यवस्था बहाली से लेकर सुरक्षा इंतजाम में सहयोग के लिए भी वालंटियर्स तय किए हैं।

लाइव इवेंट

टैलेंट शो में शामिल हुए सभी वर्गों के प्रतिभागी

रायपुर। मैग्नेटो मॉल में हरसंभव फाउंडेशन द्वारा रविवार को टैलेंट शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चे, महिलाएं व बुजुर्गों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपने टैलेंट की रेड कारपेट पर शानदार प्रस्तुति दी। इस विशेष आयोजन का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को एक साझा मंच पर लाकर उनकी छुपी हुई प्रतिभा को सामने लाना था। सभी प्रतिभागियों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ रैंप वॉक, नृत्य व गीत की प्रस्तुति दी और दर्शकों व निर्णायकों का दिल जीता। कार्यक्रम में बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए उनके अभिभावक भी मौजूद रहे।

ग्रुप डांस में छत्तीसगढ़ी गाने पर झूमीं महिलाएं

कार्यक्रम में सोलो, ग्रुप डांस के साथ गाने की विविध प्रस्तुति दी गई। सभी प्रतिभागी वेस्टर्न लुक और पांरपारिक परिधानों में नजर आए। प्रतिभागियों ने शाम की समां को अपने कला से खूबसूरती से बांधा और दर्शकों का मन मोह लिया। ग्रुप डांस में महिलाएं छत्तीसगढ़ी गाने पर खूब झूमे और काला चश्मा लगाकर स्वैग स्टाइल में नजर आए। सोलो डांस में दुर्गा का अवतार, हाथों में त्रिशूल लिए बच्ची ने प्रस्तुति दी। छोटे-छोटे बच्चों ने मां पार्वती व भगवान शंकर के रूप में नृत्य कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में कई प्रस्तुतियों में संस्कृति की झलकियां दिखाई दीं। सभी प्रतिभागियों ने कई प्रस्तुतियां दीं और दर्शकों मनोरंजन किया। कार्यक्रम में उपस्थित दर्शकों ने प्रतिभागियों की सराहना की और तालियों के साथ हौसला बढ़ाया।

सिटी इवेंट

स्कूली बच्चे रंगीन ब्लॉक, ज्यामितीय आकार से गणित और मॉडल से विज्ञान समझ रहे

रायपुर। प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिए टीचिंग लर्निंग मटेरियल की खूब डिमांड हो रही है। घर पर हो या स्कूल टीचिंग लर्निंग मटेरियल जैसे फ्लैशकार्ड, मॉडल, खेल, वीडियो और चार्ट से बच्चे पढ़ रहे हैं। लिहाजा, प्राथमिक स्तर के बच्चों में अक्षर ज्ञान, गिनती, वाक कौशल, रचनात्मक विकास के लिए टीचिंग लर्निंग मटेरियल की स्टेशनरी शॉप में खूब खरीदारी हो रही है। गोलबाजार स्थित स्टेशनरी शॉप के संचालक मुकेश नामदेव बताते हैं कि टीचिंग लर्निंग मटेरियल की मांग पिछले 5 सालों में दोगुना हो गया है। पहले शहरी व प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के पैरेंट्स व टीचर्स ही टीचिंग लर्निंग मटेरियल्स स्टेशनरी शॉप से मांग करते थे। लेकिन, अब ग्रामीण व सरकारी स्कूलों के टीचर्स और पैरेंट्स भी टीचिंग मटेरियल्स खरीदने पहुंच रहे हैं। प्राथमिक स्कूल के लिए टीचिंग लर्निंग मटेरियल में गणित विषय की सवालों, संख्याओं को समझने के लिए रंगीन ब्लॉक, ज्यामितीय आकार और मापने के उपकरण, विज्ञान विषयों के चैप्टर को समझाने के लिए पौधों और जानवरों के मॉडल, प्रयोगों के लिए उपकरण और जल चक्र जैसे विषय दिखाने वाले वीडियो।

50 से 500 रुपए तक कीमत

सदर बाजार, गोलबाजार सहित शहर के स्टेशनरी शॉप पर ये टीचिंग लर्निंग मटेरियल्स 50 से 500 रुपए तक के बीच कीमत में उपलब्ध हैं। इनमें फ्लैशकार्ड, मॉडल, खेल, वीडियो और चार्ट रंगीन ब्लॉक, भाषा के लिए चित्र वाले कार्ड और विज्ञान के मॉडल आदि टीचिंग लर्निंग मटेरियल शामिल हैं। ये वे सभी सामग्री और उपकरण हैं, जिनका उपयोग शिक्षक छात्रों के सीखने के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए करते हैं।

नवाचारी प्राथमिक एजुकेशन के लिए उपयोगी

वहीं, प्राथमिक शाला के नवाचारी शिक्षक संजीव कुमार का कहना है कि टीचिंग लर्निंग मटेरियल छात्रों को देखने और अनुभव करने का अवसर देते हैं, जिससे वे अधिक सक्रिय रूप से सीखते हैं। लर्निंग टीचिंग मटेरियल जटिल अवधारणाओं को समझाने में मदद करते हैं, जिससे सभी छात्रों के लिए समझना आसान हो जाता है। टीचिंग लर्निंग मटेरियल पारंपरिक व्याख्यानों की तुलना में अधिक आकर्षक और प्रासंगिक शिक्षण प्रदान करते हैं। बच्चों को नवाचारी एजुकेशन पद्धति से जोड़ने के लिए टीचिंग लर्निंग मटेरियल्स बहुत उपयोगी माध्यम है।

नेत्र चिकित्सा में नवाचार, स्मार्ट कैटरेक्ट सर्जरी पर हुई चर्चा

रायपुर। एमजीएम नेत्र संस्थान में स्मार्ट कैटरेक्ट सर्जरी विषय पर कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, आरपी सेंटर के प्रोफेसर डॉ. एस.के. खोखर गेस्ट स्पीकर के रूप में आमंत्रित थे। कॉन्फ्रेंस में छत्तीसगढ़ के लगभग 120 नेत्र विशेषज्ञ शामिल हुए। एमजीएम नेत्र संस्थान की डायरेक्टर डॉ. दीपशिखा अग्रवाल ने बताया कि कॉन्फ्रेंस का मुख्य विषय जटिल (कॉम्प्लिकेटेड) कैटरेक्ट का उपचार था। गेस्ट स्पीकर ने विस्तार से बताया कि जब लेंस अपनी पोजीशन से खिसक जाते हैं तो उन्हें अलग-अलग तकनीकों से ऑपरेट किया जाना चाहिए। इसके अलावा बच्चों में मोतियाबिंद पर भी विशेष चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि बच्चों में कैटरेक्ट ऑपरेशन की हर स्टेज अलग होती है और उसे विशेष सावधानी के साथ करना चाहिए। कार्यक्रम में नेत्र विशेषज्ञों ने अपने सवाल पूछे और समाधान प्राप्त किया। कॉन्फ्रेंस में एमजीएम नेत्र संस्थान से डॉ. सम्राट चटर्जी, डॉ. अनुपम साहू, डॉ. मिहिर मिश्रा, डॉ. अनिल बी. गंगवाए, डॉ. देवाशीष दास समेत कई विशेषज्ञ उपस्थित थे। इसके अलावा बिलासपुर से डॉ. हर्षवर्धन गुप्ता, रायपुर से डॉ. मनीष श्रीवास्तव तथा अन्य वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञों ने भी हिस्सा लिया।

डेली डाइट में अंकुरित मूंग चना-गुड़ को भी करें शामिल

रायपुर। सुधा सोसाइटी फाउंडेशन आमासिवानी में सात दिवसीय राष्ट्रीय पोषण दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। सातों दिन स्कूल के बच्चों ने भाग लिया और पोषण के महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। बच्चों को जी.के. भटनागर ने स्वस्थ जीवनशैली के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को अंकुरित मूंग, गुड़, चना, केला, ब्रेकफास्ट के लिए सलाद, जिसमें पत्ता गोभी, खीरा, चेरी टमाटर, भीगे हुए मूंग और कोदो जैसी हेल्दी सामग्री को खाने को कहा गया। साथ ही पौष्टिक खाद्य पदार्थ प्रदान किए गए और उनके खाने के फायदा को बताया गया। उन्होंने कहा कि अपने डेली डाइट में इन सभी पौष्टिक आहार को शामिल करने से शरीर स्वस्थ रहता है।

बच्चों को फास्ट फूड कम से कम खाने दें

कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में पोषण, कुपोषण और स्वस्थ भोजन की भूमिका के बारे में जागरूकता को बढ़ाना था। बच्चों को बताया गया कि फास्ट फूड को कम से कम खाएं, ताकि हेल्थ ठीक रहे। कार्यक्रम में सभी बच्चों ने पौष्टिक खाद्य पदार्थों का आनंद लिया और पोषण के महत्व को समझा। कार्यक्रम में चेयरमैन जी.के. भटनागर, सामाजिक कार्यकर्ता सुनीता चौधरी, स्वयंसेवी रीमा आचार्य और सुधा फाउंडेशन की शिक्षिका भारती, खुशी यादव के साथ कई बच्चे शामिल हुए।

बेहतर आउटफिट के साथ महिलाओं में बढ़ा हेयरस्टाइल का क्रेज, छोटे बालों से लेकर हेयर एक्सटेंशन का ट्रेंड

ट्रेडिशनल आउटफिट्स में लंबी चोटियों पर स्टाइल, मिरर वर्क घुंघरू और पॉम-पॉम जैसे डेकोरेटिव एलिमेंट्स लगाने का फैशन

कार्नर न्यूज

रायपुर। फैशन में लगातार बदलाव हो रहे हैं, ऐसे में महिलाएं भी इन ट्रेंड्स को तेजी से अपनाने लगी हैं। इन दिनों महिलाएं न सिर्फ अपने आउटफिट्स पर ध्यान दे रही हैं, बल्कि अट्रैक्टिव लुक के लिए हेयरस्टाइल पर भी खास ध्यान देने लगी हैं। इन दिनों छोटे बालों का ट्रेंड जोरों पर है। इन्हें मॉडर्न, स्मार्ट और इज़ी-टू-मैनेज माना जा रहा है। खासकर ऑफिस, कॉलेज और डेली वियर लुक के लिए महिलाएं अब छोटे बालों को ज्यादा पसंद कर रही हैं। इनमें बॉब कट, पिक्सी कट और लेयर्ड हेयरस्टाइल जैसे लुक्स युवतियों की पहली पसंद है।

ट्रेडिशनल लुक के साथ क्लासिक हेयर स्टाइल्स

जब बात ट्रेडिशनल आउटफिट्स जैसे साड़ी, लहंगा या ब्राइडल ड्रेस की होती है, तो महिलाएं अब फिर से लंबी चोटी और परांदा को स्टाइलिंग में शामिल कर रही हैं। हेयर स्टाइलिस्ट अंकिता मिश्रा ने बताया कि इन हेयर स्टाइल्स में अब भी काफी इनोवेशन हो रहा है। महिलाएं अब फेयरी ब्रेड , फैन ब्रेड, डच ब्रेड, स्टेल ब्रेड और बॉक्स ब्रेड जैसी हेयर स्टाइल को चुन रही हैं। महिलाएं ग्लैमरस टच के लिए वेडिंग सीजन में ब्राइड्स और ब्राइड्समेड्स इन हेयर स्टाइल्स को एक्सेसरीज और हेयर एक्सटेंशन्स के साथ कस्टमाइज करवाती हैं।

शहर के हेयर स्टाइलिस्ट का कहना है कि वेडिंग, फेस्टिवल या ट्रेडिशनल फंक्शन के लिए महिलाएं लॉन्ग हेयर लुक को प्रेफर करती हैं। ऐसे में हेयर एक्सटेंशन बेस्ट सॉल्यूशन बन चुका है। मार्केट में मिलने वाले नेचुरल लुक वाले एक्सटेंशन से बिना वेट किए लंबे बालों का ड्रीम लुक पाया जा सकता है। इन दिनों इंडियन या इंडो-वेस्टर्न आउटफीट के लिए ब्रेडेट हेयरस्टाइल और लंबी चोटी रखना पसंद कर रहे हैं।

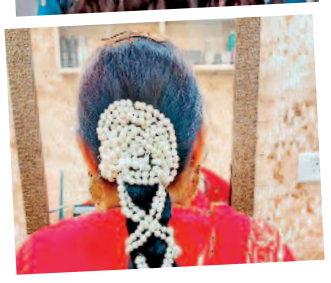

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हेयर ट्रेंड्स

इंडो-वेस्टर्न ड्रेसअप के साथ महिलाएं क्रिएटिव हेयर एक्सेसरीज यूज कर रही हैं। इन दिनों लंबी चोटियों में मिरर वर्क, घुंघरू और पॉम-पॉम जैसे डेकोरेटिव एलिमेंट्स लगाने का फैशन चल रहा है। ये हेयर स्टाइल मॉडर्न और ट्रेडिशनल लुक देता है, जो इन दिनों सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रहा है। लोग सोशल मीडिया के ट्रेंडी और यूनिक कॉन्सेप्ट को फॉलो करना पसंद कर रहें।

इज़ी-टू-मैनेज लुक के लिए शॉर्ट हेयर

हेयर स्टाइलिस्ट कविता गुप्ता ने बताया कि मॉडर्न, स्मार्ट और इज़ी-टू-मैनेज लुक के लिए वर्किंग और कॉलेज गर्ल्स शॉर्ट हेयर रखना ज्यादा पसंद कर रही हैं। वे समय-समय पर ट्रेडिशनल आउटफिट्स के साथ हेयर एक्सटेंशन यूज करती हैं और अपने छोटे बालों को यूनिक डिजाइन के साथ स्टाइल कराती हैं। जो उनके लिए काफी फैंसी और ट्रेंडी बना हुआ है।

धर्म लाइव

असम से निकली गुरु तेगबहादुर की शहीदी यात्रा का 20 को होगा प्रवेश

रायपुर। सिखों के नौवें गुरु तेगबहादुर के 350वें शहीदी शताब्दी दिवस पर असम के धुबड़ी साहिब से निकली नगर कीर्तन यात्रा 17 सितंबर को छत्तीसगढ़ में प्रवेश करेगी। यह शहीदी नगर कीर्तन यात्रा सुबह 10 बजे कवर्धा और बेमेतरा होते हुए बिलासपुर पहुंचेगी। रात में विश्राम के बाद 18 सितंबर को यात्रा बिलासपुर, पाली और कटघोरा होते हुए रात कोरबा में रुकेगी। इसके बाद 19 सितंबर को रायगढ़, झारसुगड़ा होते हुए संबलपुर और 20 सितंबर को बरगढ़, सरायपाली, बसना से रायपुर के टाटीबंध गुरुव्दारा में विश्राम करेगी। छत्तीसगढ़ राज्य अल्प संख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा ने होटल बेबीलान में रायपुर के सभी गुरुद्वारों के प्रतिनिधियों और सिख संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक में यह जानकारी दी।

16 को इंडोर में होगा कीर्तन समागम

गुरु तेगबहादुर के गौरवशाली इतिहास बताने के लिए स्कूल स्तर पर प्रदेश में राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता की जाएगी। इसमें जिलों के 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी भाग लेंगे। सभी प्रतियोगिता में प्रत्येक जिले से सिख समाज के 10 प्रमुख व्यक्ति आयोजन का व्यवस्थित संचालन करेंगे। प्रतियोगिता का मूल्यांकन सिख इतिहास के जानकारों द्वारा किया जाएगा। प्रतियोगिता जिला और राज्य स्तर पर होगी। इसके लिए रायपुर में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता होगी। इसी तरह 16 सितंबर को गुरु तेगबाद्दुर की शहादत को याद करने इनडोर स्टेडियम में कीर्तन समागम होगा। इसमें एक जैसी वेशभूषा में एक हजार बच्चों द्वारा कीर्तन गायन किया जाएगा।

सिटी लाइव

पोस्टर और टी-शर्ट विमोचन के साथ ही युवा मंडल का एग्राथन 3.0 लॉन्च

रायपुर। अग्रवाल सभा की इकाई अग्रवाल युवा मंडल द्वारा एग्राथन-3.0 का आयोजन 14 सितंबर को किया जाएगा। इसकी तैयारी की कड़ी में रविवार को टी-शर्ट और पोस्टर का विमोचन अग्रसेन धाम में किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने कहा कि एग्राथन केवल दौड़ का आयोजन नहीं, बल्कि समाज को स्वदेशी अपनाने और स्वास्थ्य के प्रति सजगता के लिए एक प्रेरक प्रयास है। उन्होंने बताया कि इसमें बड़ी संख्या में युवा, समाज के वरिष्ठ एवं महिलाएं भाग लेंगी। अग्रवाल युवा मंडल के अध्यक्ष सौरभ अग्रवाल ने बताया कि एग्राथन का उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और समाज में एकता लाना है। इसके साथ ही सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने की पहल होगी।

संयुक्त प्रयास से आयोजन बनेगा गरिमामय

भाग लेने वाले प्रतिभागियों को फ्री टी-शर्ट भी प्रदान की जाएगी। अग्रवाल युवा मंडल के मीडिया प्रभारी उदित अग्रवाल ने बताया कि इसमें मुख्य रूप से संगठन मंत्री योगी अग्रवाल, महामंत्री मनमोहन अग्रवाल, जयंती प्रभारी आनंद गोयल, सुभाष अग्रवाल शामिल हुए। युवा प्रभारी योगेश अग्रवाल एवं कमल अग्रवाल ने संयुक्त प्रयास से आयोजन को गरिमामय बनाने पर जोर दिया। युवा मंडल के महामंत्री वेदान्त अग्रवाल, कोषाध्यक्ष हर्षित अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, नितिन अग्रवाल और आयुष मुरारका आयोजन को सफल बनाने में सहयोगी बनेंगे। युवाओं के लिए आयोजित होने वाले एग्राथन-3.0 को आकर्षण का केन्द्र बनाने की पहल इस बार होने वाली है।

समाज इवेंट

सामाजिक उत्थान पर केंद्रित होगा पंचायत का काम, बैठक में मंथन

रायपुर। छत्तीसगढ़ सिंधु महापंचायत की एक जरूरी बैठक पूर्व विधायक एवं पंचायत के संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी की अगवानी में देवेन्द्र नगर के सभामंडप में शनिवार की शाम हुई। इसमें प्रमुख रूप से संरक्षक ने अपनी बात रखते हुए बताया कि सिंधी समाज संगठित रूप से एक है। जब भी देशहित की बात हुई समाज आगे रहा है। चाहे पूर्व में जयरामदास दौलतराम, चोइथराम गिदवानी हो या लालकृष्ण आडवानी, राम जेठमलानी का सामाजिक, राजनीतिक दौर यादगार रहा है। अब भी सिंधी समाज पंचायतों की व्यवस्था बनाकर समाज की छवि और नेतृत्व को उभारकर सामने लाया गया। आज पंचायत में यह व्यवस्था रखी जा रही और क्षेत्रीय इकाई पंचायतों, जिला पंचायतों, राज्य स्तरीय पंचायतों के गठन की प्रक्रिया जारी है।

सोशल प्लेटफार्म का उपयोग करने पर जोर

पंचायत प्रवक्ता दिनेश अठवानी और राजेश वासवानी ने बताया कि पंचायतों का गठन योग्यता के आधार पर होगा। बालक-बालिकाओं को भी टीम में शामिल किया जाए, यही प्रयास रहेगा। अमित जीवन ने बताया, विस्थापित होकर आए सिंधी समाज ने देश में हर क्षेत्र में समाज की स्पष्ट छवि बनाई है। हमें पहले केवल व्यापारी समझा जाता था। रूपचंद भीमनानी ने बताया कि वैचारिक आदान-प्रदान के जरिए समाज को राजनीति में भी आगे आना चाहिए। इसके लिए भी भविष्य में स्पष्ट रणनीति बनेगी।

गरबा में दिखेगा छत्तीसगढ़ी सुआ नृत्य का तड़का

गरबा की तैयारी जोरों पर, छत्तीसगढ़ी संस्कृति के साथ होगा इस बार डांडिया का खास फ्यूजन

नवरात्रि के पहले ही गरबा प्रेमियों का उत्साव देखने को मिल रहा है। एक ओर जहां सामाजिक व सांस्कृतिक संस्थाएं गरबा कार्यक्रमों की तैयारियों में जुटी हुई हैं, वहीं गरबा प्रेमी भी डांस फ्लोर पर धमाल मचाने के लिए गरबा क्लासेस का रुख कर चुके हैं। इस साल खास बात यह है कि केवल पारंपरिक गुजराती गरबा ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की लोक सांस्कृतिक झलक भी गरबा के साथ नजर आने वाली है।

रायपुर। गरबा प्रशिक्षकों के अनुसार इस बार ट्रेनिंग में म्यूजिक का फ्यूजन तैयार किया जा रहा है। इसमें पारंपरिक गुजराती गरबा बीट्स के साथ-साथ छत्तीसगढ़ी लोक संगीत में सुआ नृत्य को शामिल कर विशेष तौर पर कोरियोग्राफी की जा रही है। इस वर्ष पारंपरिक गुजराती गरबा के साथ छत्तीसगढ़ी संस्कृति का सुंदर मेल किया जा रहा। गरबा प्रशिक्षक प्रति गोस्वामी ने बताया कि उनकी क्लास में गरबा और सुआ नृत्य का फ्यूजन तैयार किया जा रहा है, जिसे लेकर युवाओं में खासा उत्साह है। जहां तिकड़ी, चौकड़ी जैसे ट्रेडिशनल गरबा स्टेप्स में छत्तीसगढ़ी सुआ नृत्य को मिक्स किया जा रहा है। ऐसे में पातर कनिहा, लुका ले तोर चेहरा ला, सुवा लहकत हे डार मा..जैसे छत्तीसगढ़ी गानों पर गरबा थीम पर तैयार किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ी हिट सॉन्ग पताल चटनी पर यूनिक डांस स्टेज तैयार

गरबा क्लास में खासतौर पर छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय और सोशल मीडिया में हीट 'पताल चटनी' पर स्पेशल डांस कोरियोग्राफी तैयार की जा रही है। गाने की शुरुआत होते ही एक के बाद एक पंक्तिबद्ध स्टेप्स के जरिए इनमें मां दुर्गा की महिमा, बोरे बासी और लोक संस्कृति को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। गरबा प्रशिक्षक चन्द्रप्रकाश सोनी ने बताया कि हमने खासतौर पर ऐसे स्टेप्स डिजाइन किए हैं, जिसमें चौकड़ी और छकड़ी करते हुए बीच-बीच में 'पताल चटनी', 'बोरे बासी' और 'मां दुर्गा की वंदना' जैसे रोचक एक्ट शामिल होंगे। जिसे विशेष तौर पर ग्रुप के लिए तैयार किया जा रहा है।

गरबा आउटफिट में डिजिटल प्रिंट का मॉडर्न टच

नवरात्रि की तैयारियों के साथ ही शहर के बाजारों में गरबा फैशन का क्रेज भी जोरों पर है। इस साल गरबा ड्रेस में ट्रेडिशन और ट्रेंड का खास मेल देखने को मिल रहा है। डिजाइनर ड्रेस, इंडो-वेस्टर्न स्टाइल और डिजिटल प्रिंट्स ने फैशन लवर्स का ध्यान खींचा है। दुकान संचालक सौम्या पमनानी ने बताया कि गरबा प्रेमियों के लिए डेनिम जैकेट्स पर गरबा थीम वाले पैचवर्क का ट्रेंड जोरों पर है। यह जैकेट इंडियन और वेस्टर्न दोनों आउटफीट के लिए तैयार किया गया है। वहीं, गरबा आउटफिट्स में गामती वर्क, अजरक प्रिंट और इंडो-वेस्टर्न डिजाइन की खास डिमांड है। ट्रेडिशनल गरबा ड्रेस को मॉडर्न टच के लिए कस्टमाइज भी किया जा रहा, जिसमें डिजिटल प्रिंट किया जा रहा है। इनमें डांडिया, गरबा सॉन्ग्स के बोल, म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स की इमेज और ट्रेडिशनल आइकॉन्स जैसे एलिमेंट्स शामिल किए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ी गानों पर गुजराती डांस स्टेप्स का मेल

नवरात्रि के मौके पर इस बार शहर में गरबा का रंग कुछ अलग ही अंदाज में नजर आने वाला है। गरबा प्रशिक्षक चन्द्रप्रकाश सोनी ने बताया कि, इस वर्ष गरबा में पारंपरिक गुजराती गानों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ी लोक गीतों को भी खूबसूरत ढंग से शामिल किया जा रहा है। ऐसे में छत्तीसगढ़ी गानों पर गुजराती डांस स्टेप्स का मेल एक नया अनुभव देने जा रहा है। गरबा क्लास में रास गरबा, चौकड़ी, छकड़ी, पंचम, सनेड़ो और घोड़ी जैसे पारंपरिक गुजराती डांस स्टाइल्स की ट्रेनिंग दी जा रही है। लेकिन, इन स्टेप्स को इस बार छत्तीसगढ़ी गीतों पर परफॉर्म किया जाएगा, जिससे गरबा का यह फॉर्म पूरी तरह से लोक-सांस्कृतिक फ्यूजन का रूप लेता है।

सर्व समाज के लिए डॉक्टर्स फोरम ने लगाया निशुल्क स्वास्थ्य कैम्प

रायपुर। सिंधु काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई और सिंधु डॉक्टर्स फोरम ने मिलकर सर्व समाज के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इसमें 1100 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ लिया। हर क्षेत्र और सर्व समाज के लोग शिविर का हिस्सा बने। मुख्य अतिथि संत युधिष्ठिर लाल ने कहा कि इतनी अच्छी व्यवस्था स्वास्थ्य शिविर में आज तक नहीं देखी गई। सिंधी काउंसिल ने ऐतिहासिक स्वास्थ्य सेवा देते हुए सभी के सामने एक मिसाल पेश की। विधायक सुनील सोनी और मोतीलाल साहू ने कहा, अच्छी स्वास्थ्य सेवा के लिए जितनी तारीफ की जाए कम है। निःशुल्क कैम्प सर्व समाज के लिए ग्रामीण विधानसभा में लगाया गया, इसका भरपूर लाभ जनता ने लिया। महापौर मीनल चौबे ने कहा कि ईश्वर से कामना करती हूं, सभी स्वस्थ और खुश रहे। भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर और निगम के सभापति सूर्यकांत राठौर ने कहा कि मानव सेवा ही माधव सेवा है। इस तरह का प्रयास होना चाहिए।

कैम्प को अतिथियों ने बताया उपयोगी और सार्थक

स्वास्थ्य शिविर में भाजपा प्रवक्ता अमित चिमनानी ने कहा कि ऐसा पहली बार देखने को मिला, जिसका लाभ लेने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे हैं। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया कि 400 से ज्यादा ईसीजी और 950 लोगों ने ब्लड टेस्ट करवाया। स्वास्थ्य शिविर में चैम्बर अध्यक्ष सतीश थोरानी ने शामिल होने के लिए लोगों का आभार जताया। सीएसआईडीसी के चेयरमैन राजीव अग्रवाल ने इस तरह के आयोजन को उपयोगी और सार्थक पहल बताते हुए सभी को बेहतर प्रयास के लिए बधाई दी। कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी, पार्षद अमर गिदवानी, स्वप्निल मिश्रा, कृतिका जैन, निकेश बरडिया ने आयोजन को सफल बताया।

200 से अधिक स्पेशल बच्चों ने नृत्य गीत और नाटक से जीता सबका दिल

रायपुर। विशेष बच्चों के टैलेंट को पूरे शहर के सामने आने रोटरी क्लब ऑफ़ रायपुर क्वीन्स की ओर से लव यू जिंदगी सिग्नेचर प्रोजेक्ट के 9वीं कड़ी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आकांक्षा एवं प्रज्ञा विद्यालय के 200 से अधिक बच्चों ने नृत्य, गीत और नाटक से सबका दिल जीत लिया। उपहार और पुरस्कारों ने उनके चेहरों पर मुस्कान भर दी। क्लब सचिव रोटेरियन प्रभजीत कौर भाटिया का पूरा साथ मिला। इस आयोजन की सफलता के पीछे क्लब की 30 क्वीन्स और हमारी दिव्य टीम अरुणा गोयल, हरलीन सिब्बल, लीना नठानी, मधु बैद, नेहा मिरानिया, पूजा मुंद्रा, पूनम लाहोटी, प्रीति केडिया, पृथि साराफ, रीना देवी अग्रवाल, रेखा चौधरी, रिंकी साहनी, शहनिला बुलखारी, शीलम झुनझुनवाला, शीतल गोयल, शेली चुगानी, शिल्पा कपूर, स्मिता साराफ और उषा अग्रवाल का समर्पण और टीमवर्क रहा। सबने मिलकर इसे सचमुच एक दिव्य उत्सव बना दिया।

बच्चों को मंच देना सबसे बड़ा उपहार

क्लब की अध्यक्ष रोटेरियन दीपिन्दर कौर रेहाल ने इसे बेहद भावुक अनुभव बताते हुए कहा कि 'इन बच्चों को मंच देना और उनकी मुस्कान देखना हमारे लिए सबसे बड़ा उपहार है।' इस अवसर पर डीजी अमित जायसवाल, फर्स्ट लेडी रोटेरियन पल्लवी जायसवाल, एजी मयंक रोजिन्दर, पीडीजी रंजीत सिंह सैनी (क्लब एडवाइजर), डीएसजी सोमनाथ अग्रवाल, सिटी कोऑर्डिनेटर रोटेरियन भारत डागा, रोटेरियन सुमन भावसार (जगदलपुर) तथा आकांक्षा स्कूल के संचालक श्री एवं श्रीमती नायक ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और इस पहल की सराहना की।

इको क्लब एवं ग्रीन आर्मी ने किया पर्यावरण शिक्षा का आयोजन

रायपुर। दिशा कॉलेज के इको क्लब एवं ग्रीन आर्मी द्वारा पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का बताना और इको सिस्टम के बारे में जानना था। मुख्य प्रवक्ता स्टेट प्रेसिडेंट ग्रीन आर्मी अमिताभ दुबे ने 'रुकेंगे नहीं, झुकेंगे नहीं, थकेंगे नहीं' नारे से अपनी बात शुरू की। उन्होंने कहा, खुद को वैश्विक नागरिक के रूप में देखना चाहिए और वैश्विक मुद्दों पर अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। इसके साथ ही पर्यावरण को लेकर स्थानीय स्तर पर कार्य करना चाहिए। पेड़-पौधे लगाने के साथ ही बचे हुए पेड़-पौधों पर भी ध्यान देना होगा, ताकि इनकी संख्या कम ना हो।

प्लास्टिक का इस्तेमाल से बचें और जूट व कपड़े की थैली को अपनाएं

कार्यक्रम के दौरान प्लास्टिक का इस्तेमाल ना करने और पेपर बैग, जूट व कपड़े की थैली का उपयोग की सलाह दी गई। क्योंकि, इन सभी के उपयोग से पर्यावरण का संतुलन बना रहता है और इनका पुनर्चक्रण कर सकते हैं। कॉलेज की प्राचार्य ने नैतिक जिम्मेदारी और पर्यावरण के प्रति योगदान के बारे में बात की। कार्यक्रम में शिक्षकों के साथ स्टूडेंट्स शामिल रहे और पर्यावरण सुरक्षा के बारे में जाना।

स्वयंसेवी शिक्षक हेमधर का आज दिल्ली में होगा साक्षरता और जागरूकता के लिए सम्मान

साक्षर बनाकर शिक्षा की अलख जगाने लगा रहे क्लास योजनाओं का लाभ लेने फार्म भरना और पढ़ना सिखा रहे

कार्नर न्यूज

रायपुर। शहर में ऐसे कई लोग हैं, जो किसी कारण से पढ़ाई नहीं कर पाए हैं। ऐसे पुरुषों और गृहणियों का साक्षरता के साथ जागरूक करने में सहभागिता निभा रहे हैं। इसके लिए उनको किसी प्रकार का अनुदान या मानदेय नहीं मिलता है बल्कि वे अपनी जेब से खर्च करके शिक्षा की अलख जगा रहे हैं। साथ ही नवसाक्षरों को सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए फार्म भरने की जानकारी दे रहे हैं। इतना ही नहीं, उसको स्वीकृति मिलती है या पात्र हितग्राही की श्रेणी में रखा जाता है, इसे समझाने के साथ ही मोबाइल से पेटीएम करना और खुद सोशल मीडिया को हैंडल कर सकें, इसकी जानकारी भी दे रहे हैं। गोविंद नगर में रहने वाली शैल चक्रवर्ती ने बताया कि 12वीं पास होने के बाद भी कोविड के दौरान मुझे ऐसा लगा जैसे जीने के लिए अभी और सीखना होगा। शिक्षा को और बेहतर करने के लिए मैंने आसपास की मजदूर बस्ती की महिलाओं और अशिक्षितों को अक्षर ज्ञान कराने के साथ ही बात करने का तौर-तरीका भी बताती हूं।

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस

साक्षर बनाने के साथ सिखा रहे हैं हुनर

इसी तरह से अमलीडीह क्षेत्र में शिक्षा से वंचित महिलाओं और पुरुषों की समय-समय पर क्लास लगाने का दायित्व सुधा फाउंडेशन के संस्थापक जीके भटनागर और उनसे जुड़े लोग निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हर साल 8 से 10 महिलाओं और पुरुषों को साक्षर बनाने का प्रयास करते हैं। इसके साथ ही उन्हें मोबाइल के माध्यम से सोशल मीडिया की जानकारी देते हैं, ताकि वे ऑनलाइन फार्म भरने के साथ ही बैंक के काम खुद निपटा सकें। महिलाओं को शिक्षा से जोड़ने के साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई प्रशिक्षण भी दिलवाते हैं, ताकि वे घर के काम से बचने वाले समय में आत्म निर्भरता के साथ दूसरे काम भी सकें। इससे गृहणियों में आत्मविश्वास बढ़ा है।

दिल्ली में मिलेगा साक्षरता के लिए सम्मान

स्कूलों में विद्यार्थियों की दर्ज संख्या बढ़ाने के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाने के साथ ही बूढ़ों तक शिक्षा पहुंचाने शिक्षारथ में जाना, नुक्कड़ पर नाटक करना, नारों की तख्ती, नारों से समुदाय को सरकारी स्कूल से जोड़ने शिक्षा चौपाल लगाते हुए हेमधर साहू शिक्षा की अलख जगा रहे हैं। कबीरधाम के गांव में व्याख्याता वाणिज्य के पद पर पदस्थ हेमधर साहू को शिक्षा का मंत्र जन-जन तक पहुंचाने का जुनून इतना कि खाने-पीने या आराम या खतरों की परवाह नहीं किया। उन्होंने बताया कि 1993-94 में लगभग 10 साक्षर केन्द्र में शिक्षा के लिए पुस्तक व पेंसिल और लेखन सामग्री वितरित कर बच्चों से बूढ़ों तक सभी असाक्षरों को शिक्षित करने का दायित्व निभाया।

सिटी स्पोर्ट्स

इंटर स्टेट बैडमिंटन में छत्तीसगढ़ के सुजेय-अभिषेक बने विजेता

रायपुर। योनेक्स सनराइज वेस्ट जोन इंटर स्टेट बैडमिंटन चैम्पियनशिप गोवा पणजी में 3 से 6 सितंबर तक आयोजित थी। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम रनर अप रही। पुरुष युगल में छत्तीसगढ़ के सुजेय तंबोली और एमवी अभिषेक विजेता रहे। वहीं पुरुष एकल में अधिप गुप्ता (गुजरात), महिला एकल में एशानी तिवारी (गुजरात) और मिश्रित युगल में छत्तीसगढ़ के आयुष मखीजा और रेणुश्री यावाना विजेता रहे।

पैरा तीरंदाज टोमन को वर्ल्ड टूर्नामेंट में चौथा स्थान

रायपुर। छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका ने इंटरनेशनल पैरा तीरंदाज टोमन कुमार के साथ उनकी उपलब्धियां साझा की। प्रेस क्लब रायपुर में श्री मुरारका ने बताया कि चेक गणराज में 23 से 31 अगस्त तक हुई वर्ल्ड रैंकिंग पैरा तीरंदाजी टूर्नामेंट में टोमन कुमार को चौथा स्थान प्राप्त हुआ। झारखंड में आईडी ब्लास्ट में अपना एक पैर अपना खोने वाले टोमन कुमार कोरिया में वर्ल्ड पैरा आर्चरी टूर्नामेंट में भाग लेने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सोनीपत में कोचिंग कैंप आर्चरी वर्ल्ड रैंकिंग कैंप लगा हुआ है। टोमन कुमार राष्ट्रीय प्रतियोगिता में तीन-चार मेडल जीत चुके है। एक अन्य जानकारी में उन्होंने बताया कि पैरा तीरंदाजी विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट, नोवे मेस्टो, चेक गणराज्य में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। जिसमें कई पोडियम फिनिश हासिल किए हैं। इन पदक विजेताओं में मिश्रित महिला युगल में सरिता और शीतल- रजत पदक (वीएस जीबीआर), मिश्रित पुरुष युगल में राकेश कुमार और सायम सुंदर-गोल्ड मेडल (स्लोवाकिया को हराकर), रिकर्व मेन डबल, पुनरावृत्ति महिला युगल-पजा और भवाना- रजत पदक, कंपाउंड मिक्स्ड टीम-शीतल और राकेश कुमार - (गोल्ड मेडल (वीएस जीबीआर),रिकर्व मिक्स्ड टीम-पूजा और हरविंदर सिंह-रजत पदक (बनाम इटली), मिश्रित व्यक्तिगत (पुरुष)-राकेश कुमार कांस्य पदक, मिश्रित व्यक्तिगत (महिला) में शीतल- कांस्य पदक (बनाम जीबीआर), मिश्रित व्यक्तिगत (पुरुष)-श्यामसुंदर स्वामी- गोल्ड मेडल (बनाम फ्रांस, 147-145) शामिल हैं। भारत के लिए मेडल टैली में 4 स्वर्ण पदक, 4 रजत पदक और 2 कांस्य पदक सहित कुल 10 पदक आए हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और खेल मंत्री अरुण साव ने सभी इंटरनेशनल पैरा तीरंदाज को अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने खिलाड़ियों के कोरिया में आयोजित वर्ल्ड रैंकिंग टूर्नामेंट से वापस आने पर अपने कार्यालय में भेंट मुलाकात की बात कही है।

मिताली का शॉट पुट में नया राज्य रिकॉर्ड

रायपुर। ओपन स्टेट एथलेटिक्स चैम्पियनशिप, बिलासपुर में आयोजित हुई। जिसमे एनएच गोयल स्कूल रायपुर की मिताली बिस्वास ने अंडर-18 गर्ल्स शॉट पुट में 12.91 मीटर का थ्रो कर छत्तीसगढ़ का नया राज्य रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड मेडल जीता। प्रतियोगिता में शौर्य अग्रवाल ने अंडर-18 बॉयज़ जैवलिन थ्रो में 57.98 मीटर फेंककर सिल्वर मेडल जीता। खास बात यह है कि यह शानदार प्रदर्शन उन्होंने सिर्फ कुछ ही महीनों की ट्रेनिंग में हासिल किया है। विजय कुमार यादव ने अंडर-18 बॉयज़ जैवलिन थ्रो में 64.99 मीटर के बेहतरीन थ्रो से गोल्ड मेडल अपने नाम किया। मुकुंद वर्मा ने अंडर-16 बॉयज़ पेंटाथलॉन में 31.50 अंक बनाकर गोल्ड मेडल जीता। मिताली बिस्वास ने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-18 गर्ल्स डिस्कस थ्रो में 35.78 मीटर फेंककर गोल्ड मेडल जीता। ऋद्धिमा शाही ने अंडर-14 गर्ल्स किड्स जैवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीता। अंश पुरी गोस्वामी ने अंडर-18 बॉयज़ शॉट पुट में 11.79 मीटर फेंककर ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। मुकुंद वर्मा ने अंडर-16 बॉयज़ लॉन्ग जंप में भी सिल्वर मेडल जीता। निखिल वर्मा ने अंडर-18 बॉयज़ हेप्टाथलॉन में 2930 अंक बनाकर सिल्वर मेडल जीता। खिलाड़ी अब पश्चिम ज़ोन चैम्पियनशिप (शिवपुरी, मध्य प्रदेश) और जूनियर नेशनल एथलेटिक्स चैम्पियनशिप (भुवनेश्वर) में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। इनके कोच कपिल चौधरी एवं मनीष कुमार थे।

आपके आहार में शामिल करना होगा प्रमुख तत्व, दिखेगा असर

हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है इन विटामिन की कमियों से, लाइफ स्टाइल में भी कीजिए बदलाव

हृदय रोग दुनियाभर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक हैं, जिसका जोखिम भी पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ता हुआ देखा गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी उम्र के लोगों को हृदय की सेहत को लेकर अलर्ट रहने की आवश्यकता है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कम उम्र के लोगों में भी हृदय रोग और हार्ट अटैक के मामले देखे जा रहे हैं, जो निश्चित ही बड़े जोखिम की तरफ संकेत है। लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण हृदय की सेहत पर सबसे ज्यादा असर हो रहा है, कम उम्र से ही सभी लोगों को इसपर ध्यान देते रहने की आवश्यकता है।

अध्ययनों में पाया गया है कि आहार में गड़बड़ी के कारण हृदय रोग का जोखिम सबसे अधिक हो सकता है, शरीर में कुछ विटामिन्स और पोषक तत्वों की कमी के कारण भी इस रोग का खतरा बढ़ सकता है। हृदय रोगों के बढ़ते वैश्विक जोखिमों को लेकर लोगों को अलर्ट करने और बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक करने के लिए हर साल 29 सितंबर को वर्ल्ड हार्ट डे मनाया जाता है। आइए जानते हैं कि किन विटामिन्स की कमी हृदय के लिए नुकसानदायक हो सकती है, जिसे आहार के माध्यम से प्राप्त करना बहुत आवश्यक है?

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए क्या करें?

हार्वर्ड टीएच चेन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के विशेषज्ञों ने बताया, हृदय रोग की रोकथाम के लिए सबसे जरूरी है कि आहार की पौष्टिकता का ध्यान रखा जाए। आहार में फलों और सब्जियों, साबुत अनाज, नट्स, मछली, पोल्ट्री जैसी चीजों को सेहत के लिए काफी लाभकारी पाया गया है।

विटामिन-डी की कमी हो सकती है समस्याकारक

अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों में विटामिन-डी की कमी होती है उनमें दिल के दौरे, कंजेस्टिव हार्ट फेलियर, परिफेरल आर्टरी डिजीज और स्ट्रोक जैसी समस्याओं के विकसित होने का जोखिम अधिक हो सकती है। ये स्थिति उच्च रक्तचाप और मधुमेह के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है जिससे हृदय की सेहत पर नकारात्मक असर हो सकता है। आहार में विटामिन-डी की पर्याप्त मात्रा सुनिश्चित किया जाना जरूरी है।

विटामिन बी-12 पर भी ध्यान देना जरूरी

विटामिन डी की ही तरह शोधकर्ताओं ने पाया कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन बी12 भी जरूरी है। इस

विटामिन की कमी कोरोनरी डिजीज, मायोकार्डियल इंफ्रक्शन, स्ट्रोक और अन्य संचार संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती है। विटामिन बी-12 की कमी शरीर में कई और भी प्रकार के जोखिमों का कारक हो सकती है, आहार में इस विटामिन वाली चीजों को जरूर शामिल किया जाना चाहिए। शरीर में फोलेट की कमी से हृदय रोग (सीवीडी) का खतरा बढ़ सकती है। सीवीडी, हृदय या रक्त वाहिकाओं की बीमारियों को संदर्भित करती है। फोलेट की कमी की स्थिति में शरीर में आयरन की मात्रा कम होने लगती है।

पराठा खाकर बढ़ेगा नहीं बल्कि कम होगा वजन, इन टिप्स को करें फॉलो

जब भी हम वजन घटाने की कोशिश करते हैं, तो लोग हमें कई राय देते हैं। वेट लॉस के लिए क्या खाना चाहिए और क्या खाना छोड़ देना चाहिए, इस बारे में आपको बेशक बहुत जानकारी मिल जाएंगी लेकिन किसी भी जानकारी या टिप पर गौर करने से पहले आपको एक्सपर्ट की सलाह जरूर लेनी चाहिए। अक्सर वेट लॉस के लिए लोग घर के बने पराठों को पूरी तरह छोड़ देते हैं और फैंसी डाइट को फॉलो करने में लग जाते हैं। उनका ऐसा मानना होता है कि पराठा खाने से वजन बढ़ता है लेकिन क्या वाकई ऐसा है? क्या वाकई पराठा खाने से आपका वजन बढ़ सकता है, इस बार में

एक्सपर्ट से जानते हैं। यह जानकारी डाइटिशियन और न्यूट्रिशनिस्ट सिमरन कौर दे रही हैं। एक्सपर्ट की मानें तो वजन घटाने के लिए पराठे को छोड़ना सही नहीं है। अगर आप इसे सही तरीके से बनाकर, सही मात्रा में सही समय पर खाती हैं, तो इससे वजन नहीं बढ़ेगा। पराठा बनाने के लिए अगर आप खूब सारे तेल का इस्तेमाल करती हैं, तो इससे बेशक वजन बढ़ सकता है। इसलिए पराठा रिफाइंड ऑयल में नहीं, बल्कि देसी घी या फिर रीजनल ऑयल में बनाएं और इसे भी अधिक मात्रा में न लगाएं। पराठे में आलू की स्टफिंग भरने के बजाय पनीर, टोफू और गोभी जैसी हेल्दी स्टफिंग ट्राई करें। इससे शरीर को प्रोटीन भी मिलेगा और वजन भी नहीं बढ़ेगा। पराठे को हमेशा लंच या ब्रेकफास्ट में खाएं। डिनर में पराठा अवॉइड करें क्योंकि इसमें रोटी से ज्यादा कैलोरी होती हैं। पराठे के साथ चटनी या फिर दही खाएं। इससे मील बैलेंस होता है।

पहली बार करने जा रहें योगासन तो भूल से भी न करें ये गलतियां

योग सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। मानसिक और शारीरिक सेहत को बनाए रखने के लिए योगासन का नियमित अभ्यास करना चाहिए। योगाभ्यास हर उम्र के लोगों के लिए लाभकारी है। किसी भी तरह की बीमारी हो, योग से राहत दिलाती है। योग के महत्व को समझते हुए लोग आजकल यूट्यूब या ऑनलाइन वीडियो देखकर योगाभ्यास करने लगे हैं। लेकिन अगर आप पहली बार योगासन करने जा रहे हैं तो कुछ बातों को ध्यान में रखने की जरूरत है। योगाभ्यास करते समय कुछ बेसिक गलतियों के कारण योग का असर उल्टा पड़ सकता है। योग करते समय कुछ छोटी छोटी गलतियों से बचना चाहिए। इसलिए पहली बार योग करते समय इन बातों का खास ख्याल रखें।

श्वास का ख्याल रखें

योग में श्वास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पहली बार योगासन करने वाले लोग अगर किसी प्रशिक्षक के मार्गदर्शन के बिना योगासन कर रहे हैं तो उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि आसन करते समय कभी भी मुंह से सांस न लें। आसन में कब श्वास लेनी है और कब श्वास छोड़नी है, इसका भी पता होना चाहिए।

खाली पेट करें योग

पहली बार योग करने जा रहे हैं तो आपको ये पता होना चाहिए कि योग खाली पेट किया जाता है। नाश्ता या खाना खाने के बाद योगासन न करें। अगर सुबह योग करने का समय नहीं मिल पाता है तो ध्यान रखें कि जब भी योग करें, उससे कम से कम 3 घंटे पहले तक कुछ न खाया हो। वहीं योगासन करने के तुरंत बाद खाना मत खाएं। बल्कि शरीर को थोड़ा आराम दें फिर भोजन करें।

योग के लिए कपड़े

योग करते समय आपको आरामदायक कपड़े पहनने चाहिए। टाइट कपड़े पहनने से शरीर की मांसपेशियों में खिंचाव व ऐंठन होने के दौरान कपड़े फटने का डर रहत है। वहीं तंग कपड़ों के कारण आप एकाग्रता के साथ योग पर ध्यान नहीं लगा पाते।

वार्म अप करें-योग या वर्कआउट करने से पहले वार्म अप करना चाहिए। पहली बार योग कर रहे हैं तो आपको इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि सीधे मैट पर बैठ कर आसन की मुद्रा नहीं लेनी है, बल्कि शरीर को सक्रिय करने के लिए पहले वार्म अप करना है।

मुश्किल और गलत योग न करें-पहली बार योग करने जा रहे हैं तो साधारण और बेसिक योगासनों से शुरुआत करें। मुश्किल योगासन न करें, इससे आपको चोट लगने का खतरा भी हो सकता है। वहीं सही से जानें कि किसी योगाभ्यास के लिए सही आसन क्या है। गलत मुद्रा में न बैठें।

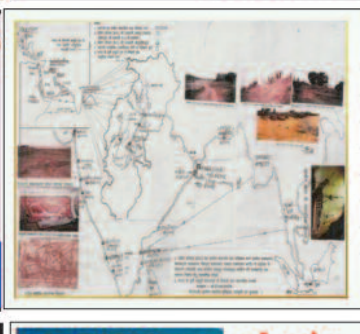

शोधग्रंथ- "छत्तीसगढ़ के प्राचीन किलों की स्थापत्य कला"

माननीय विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार छ.ग. शासन के उच्च शिक्षा संचालनालय के पत्र क्रं. 1889 नया रायपुर दि. 4.8.2025 के अनुसार छत्तीसगढ़ के समस्त शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्यो को महाविद्यालयीन ग्रंथालय हेतु उक्त शोधग्रंथ को उपयोगितानुसार क्रय किया जाने का आदेश जारी किया गया है। प्राप्ति स्थल–सेन्ट्रल बुक हाउस, पुस्तक प्रतिष्ठान सदर बाजार रायपुर आदि पुस्तक दुकानों में उपलब्ध है, पृष्ठ संख्या 420, मुल्य 700 रू.। महाविद्यालयों के ग्रंथालयों हेतु 25% छुट के लिए सम्पर्क करें – डॉ.टी.आर.रामटेके, संजय नगर, मुख्य मार्ग, रायपुर (छ.ग.), मो.8349362428।

शोधग्रंथ- "छत्तीसगढ़ के प्राचीन किलों की स्थापत्य कला"

शोधलेखक डॉ.टी.आर.रामटेके। (पीएच.डी. उपाधि हेतु इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ छ.ग. से स्वीकृत शोधप्रबंध)। जिसमें छत्तीसगढ़ के किले, पुरातात्विक स्मारकों की स्थापत्य कला तथा छत्तीसगढ़ के प्राचीन काल से कलचुरी काल (ई.1750) तक का राजनीतिक इतिहास को लगभग 150 रेखाचित्र एवं 450 रंगीन छायाचित्र के माध्यम से विश्लेषण किया गया है। जिसे राज्य के महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं को समझना आवश्यक है, जो सीजीपीएससी की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु उपयोगी है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

रैपर लिल गिरफ्तारी और जेल की सजा पर बोले- काफी डरावने थे चार दिन

बीते दिनों रैपर लिल नैस एक्स को लॉस एंजेलिस पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। अब रैपर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है। रैपर और गायक लिल नैस एक्स को बीते कुछ दिन पहले वेंचुरा बुलेवार्ड पर अर्ध नग्न अवस्था में घूमने और लॉस एंजेलिस की पुलिस पर कथित तौर पर हमला करने के कारण गिरफ्तार कर लिया गया था। इस वजह से रैपर को जेल में डाल दिया गया था। इस मामले में अब रैपर को जमानत मिल गई है। जानिए जमानत के बाद क्या बोले लिल नैस एक्स। रैपर लिल नैस एक्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, ₹पिछले चार दिन बहुत डरावने रहे हैं।₹ इसके साथ ही आपको बताते चलें कि उन्होंने इस बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं दी कि आखिर क्या हुआ था। वहीं उनके प्रतिनिधियों ने भी इस मामले पर कोई जवाब नहीं दिया है। रैपर जब अदालत में पेश हुए, तो उन्होंने पर खुद को निर्दोष बताया। उन्हें 75,000 अमेरिकी डॉलर की जमानत राशि के साथ बेल मिली। इसके साथ ही शर्त रखी गई है कि वह अपने नशे की आदत का ट्रीटमेंट कराएंगे। वहीं अब वह अपनी अगली सुनवाई से पहले 15 सितंबर को अदालत में पेश होंगे। अधिकारियों ने बताया कि लिल नैस एक्स लॉस एंजिल्स के सैन फर्नांडो वैली की सड़क पर नग्न अवस्था में घूम रहे थे। साथ ही उन्होंने पुलिस अधिकारियों पर हमला किया था। एक आपराधिक शिकायत में कहा गया है कि तीन अधिकारी घायल हुए हैं। इसके साथ ही रैपर पर एक पुलिस अधिकारी पर हमला करने और उन्हें घायल करने के तीन गंभीर अपराधों के साथ-साथ एक कार्यकारी अधिकारी का विरोध करने का भी आरोप लगाया गया है।

टॉलीवुड

इस एक्टर के खून का प्यासा बन गया था भाई, खाने में मिलाया जहर और किया काला जादू

साउथ और बॉलीवुड में ऐसे कई एक्टर्स रहे हैं, जिन्हें लोग उनके असली नाम से नहीं जानते है, पर चेहरा सामने आते ही उनके निभाए सारे किरदार और सीन्स जेहन में उभर आते हैं। जैसे कि इस एक्टर का चेहरा...इस देख आपको याद आ गया होगा कि इसने फिल्मी पर्दे पर विलेन बनकर कितनी दहशत मचाई थी। ये वही विलेन है, जिसने फिल्म 'नायक' में एक दिन से मुख्यमंत्री बने अनिल कपूर से टक्कर ली थी। इसने फिल्म में रंगा नाम के खूंखार विलेन का रोल निभाया था। इस एक्टर का नाम है पोन्नम्बलम, जिन्होंने साउथ ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड में भी खूब काम किया। अपने करियर में 1500 के आसपास फिल्में करने वाले पोन्नम्बलम ने 'घातक', 'नायक', 'रक्षक' और 'क्रोध' जैसी फिल्में कीं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्मों में स्टंटमैन और एक्स्ट्रा के रूप में की थी। उन्होंने साउथ की भी कई फिल्मों में बतौर स्टंटमैन काम किया। चूंकि, उनके शरीर के किसी भी हिस्से में कभी कोई चोट या फ्रैक्चर नहीं हुआ था, इसलिए पोन्नम्बलम को लोग 'स्पेयर पार्ट्स' कहकर भी बुलाते थे। पोन्नम्बलम ने बाद में फिल्मों में विलेन की भूमिका निभानी शुरू कर दी। साथ ही वह डायरेक्टर भी बन गए थे। हालांकि, उनकी डायरेक्ट की कुछ फिल्में डिब्बाबंद हो गईं और किसी कारण बन नहीं पाईं। सबकुछ अच्छा चल रहा था, पर अचानक ही उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। पोन्नम्बलम की किडनी फेल हो गई। कहा जाने लगा था कि ज्यादा शराब पीने के कारण ऐसा हुआ, पर पोन्नम्बलम ने साल 2023 में एक इंटरव्यू में सनसनीखेज खुलासे किए और परिवार पर चौंकानेवाले आरोप लगाए।

भोजपुरी

खेसारी के नए गाने 'मरद बाड़ा कइसन' ने उड़ाया गर्दा, कुछ ही घंटो में 5 लाख से ज्यादा व्यूज

खेसारी लाल यादव का पिछला गाना 'गुलरी के फूल' सुपरहिट रहा था और अब उनका नया गाना 'मरद बाड़ा कइसन' इंटरनेट पर गर्दा उड़ा रहा है। इसे कुछ ही घंटों में लाखों बार देखा जा चुका है और फैंस क्रेजी हुए जा रहे हैं। भोजपुरी फिल्मों के स्टार खेसारी लाल यादव का मार्केट में नया गाना आया है, जिसने धमाल मचा दिया है। गाने को 17 घंटे में ही पांच लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है और फैंस भी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इस गाने के बोल हैं 'मरद बाड़ा कइसन', जो एक रोमांटिक गाना है। खेसारी इस गाने में रक्षा गुप्ता के साथ रोमांस कर रहे हैं। खेसारी लाल यादव एक के बाद एक कई गाने रिलीज कर चुके हैं, जो अभी तक वायरल हैं। अब ये नया गाना भी वायरल हो रहा है।

'मरद बाड़ा कइसन' इसी नाम की एल्बम का गाना है, और इसे खेसारी लाल यादव ने ही गाया है। गाने के लिरिक्स विक्की बेदर्दी ने लिखे हैं और म्यूजिक आर्या शर्मा ने दिया है। गाने में खेसारी का आशिकाना अंदाज देखने को मिल रहा है, जिस पर भोजपुरी के फैंस दिल लुटा रहे हैं।

'मरद बाड़ा कइसन' का वीडियो देख एक फैन ने कमेंट किया है, 'भाई सुबह से इतनी बार सुन लिया हूं कि याद ही नहीं आ रहा कितना बार सुन चुका हूं।' एक ने लिखा, 'खेसारी भाई आपकी जोड़ी रक्षा गुप्ता के साथ मस्त लगती है।' एक का कमेंट है, 'लो एक और तगड़ा गाना आ गया। एकदम धांसू।' एक फैन बोला, 'लाजवाब गाना है भाई।'

इंद्रधनुषी जलवा

हाउते कॉउचर फ़ैशन वीक में कॉर्सेट और नए डिज़ाइन वाली ब्राइडल गाउन से लेकर इंद्रधनुषी छटा वाली ड्रेस बेहद चर्चा में रही। यहां फैशन के बदलते ट्रेंड को आसानी से देखा जा सकता है। सच पूछा जाए तो पेरिस की इस शाम ने फैशन में ट्रेंड तय करने वालों को निराश नहीं किया। यहां से लोगों ने नए नए आईडिया को अपनाने में देरी नहीं की।

हाथ-पैर की बेजान त्वचा को चमकाएं घरेलू नुस्खे से

सितंबर महीने में कभी तो तेज धूप निकल रही है, कभी तेज बारिश हो रही है। बारिश के बाद होने वाली उमस की वजह से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। इस परेशानी का सीधा असर लोगों की त्वचा पर दिखाई दे रहा है। बदलते मौसम की वजह से ही त्वचा पर रूखापन नजर आने लगा है। इसके साथ ही चेहरा काफी डल लगने लगा है। ऐसे में वापस से ग्लो पाने के लिए आप या तो पार्लर जाकर स्किन ट्रीटमेंट करा सकते हैं या फिर कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर वापस निखरती हुई त्वचा पा सकते हैं। बहुत से लोग पार्लर जाकर पैसे खर्च करने से कतराते हैं। ऐसे में आज के लेख में हम आपको त्वचा की डलनेस कम करने के लिए कुछ घरेलू तरीके बताने जा रहे हैं ताकि आपको निखरती हुई त्वचा पाने के लिए ज्यादा रुपये खर्च करने की जरूरत ना पड़े।

नींबू का रस और शहद

इस पैक से आपकी त्वचा में निखार दिखने लगेगा। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस एक कटोरी में एक चम्मच ताजा नींबू का रस

निचोड़ना है और उसमें बराबर मात्रा में शहद डालकर मिलाना है। इस पेस्ट को आधे घंटे के लिए त्वचा पर लगाएं और फिर चेहरा धो लें। इससे चेहरे पर ब्राइटनेस आती है।

दही और टमाटर

इन चीजों के इस्तेमाल से त्वचा की डलनेस काफी हद तक कम हो जाती है। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले एक टमाटर लें और उसका छिलका निकाल दें। अब इसमें 1-2 टेबलस्पून ताजा दही डालकर इसका पेस्ट बनाएं। इसको आप प्रभावित जगहों पर लगाकर निखरती त्वचा पा सकते हैं।

हल्दी और बेसन

हल्दी और बेसन दोनों ही चीजें त्वचा के लिए काफी लाभदायक होती हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आप एक कटोरी में 1 चम्मच हल्दी लें और इसमें 1 कप बेसन मिला लें। अब इसमें पानी मिलाकर इसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट से अपने चेहरे पर 15 मिनट के लिए स्क्रब करें और फिर चेहरा धो लें।

आलू का रस

आलू में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो त्वचा के लिए काफी लाभदायक होते हैं। इसके लिए आपको बस एक कच्चे आलू का रस निकालना है। रस निकालकर इसे रुई की मदद से चेहरे पर लगाएं और कुछ समय बाद चेहरे को धो लें।

लुक को खूबसूरत बनाने इन एथनिक वियर के साथ पोटली बैग को अपनाएं

जब भी हम कुछ आउटफिट स्टाइल करते हैं तो इसके साथ हम कई तरह की एक्सेसरीज को स्टाइल करते हैं ताकि अपने लुक को परफेक्ट बना सके। इनमें से एक हैं बैग्स जिन्हें लड़कियां आउटफिट के साथ स्टाइल करना पसंद करती हैं। लेकिन इसमें भी आपको कई सारे डिजाइन मिल जाते हैं जो दिखने के साथ-साथ स्टाइल करने में भी अच्छे लगते हैं। अगर आपको भी बैग की अलग-अलग कलेक्शन रखना पसंद है तो इसके लिए आप यहां दिखाए गए पोटली डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। इस तरीके की पोटली एथनिक वियर के साथ काफी अच्छी लगेगी।

पर्ल पोटली बैग डिजाइन

अगर आप किसी पार्टी में जा रही हैं और एथनिक आउटफिट वियर कर रही हैं तो इसके लिए सबसे बेस्ट है पर्ल डिजाइन वाला पोटली बैग। इस तरीके की पोटली बैग के डिजाइन आजकल काफी ट्रेंड में हैं। इसमें आपको अंदर की तरह कपड़े की पोटली मिलेगी और बाहर पर्ल से इसे कवर किया हुआ होगा। इसी के साथ इसकी डोरी में भी पर्ल मिलेंगे। इस तरीके के पोटली बैग आप लहंगे, साड़ी और सूट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। ये आपके लुक को क्लासी बनाते हैं साथ ही खूबसूरत लगते हैं। मार्केट से आप इन्हें 500 की रेंज में खरीद सकती हैं।

हैंड वर्क पोटली बैग डिजाइन

कई सारी लड़कियां होती हैं जिन्हें हैंड वर्क वाली चीजें काफी पसंद होती है। ऐसे में आप इस तरीके के पोटली बैग (सिल्क पोटली डिजाइन) को ट्राई कर सकती हैं। इसमें आपको हाथों से किया हुआ काम मिलेगा। जिसमें थ्रेड वर्क का इस्तेमाल किया होगा। आप इस तरीके के बैग को एथनिक वियर के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इनकी खास बात ये होती है कि इसमें की गई एम्ब्राइडरी कभी काली नहीं पड़ती है। बस आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि जब भी इसे वॉश करें तो मशीन का इस्तेमाल न करें। वरना ये खराब हो जाएगा। इस तरीके के बैग के डिजाइन आपको मार्केट में 250 से 500 की रेंज में मिल जाएंगे।

हेल्दी स्किन पाने के लिए करें अखरोट का इस्तेमाल, इससे मिलेंगे कई फायदे

चेहरे की त्वचा का ख्याल रखने के लिए आपको रोजाना स्किन टाइप के हिसाब से रूटीन को फॉलो करना चाहिए और इसे जानने के लिए आप स्किन एक्सपर्ट की सलाह लें।

त्वचा को खूबसूरत और जवां रखने के लिए रोजाना समय-समय पर स्किन केयर करना बेहद जरूरी होता है। इसके अलावा त्वचा को हेल्दी रखने के लिए भी आपको एक्स्ट्रा केयर करने की आवश्कता होती है और इसके लिए हम अक्सर पार्लर जाकर कई तरीके के स्किन ट्रीटमेंट करवाते हैं। बता दें कि इन ट्रीटमेंट पर पैसे खर्च करने की जगह अब आप घर पर पड़े ड्राई फ्रूट्स जैसे कि अखरोट की मदद से चेहरे की देखभाल कर सकती हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू महेश्वरी का कहना है कि चेहरे पर अखरोट को लगाने से आपको कई फायदे मिल सकते हैं। हेल्दी स्किन पाने के लिए अखरोट, चावल का आटा और विटामिन-ई कैप्सूल का इस्तेमाल करें।

चेहरे पर अखरोट लगाने के फायदे

अखरोट त्वचा में कसाव लाने और एजिंग साइंस को कम करने में मदद करता है। चेहरे की त्वचा

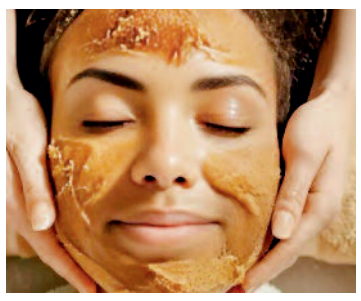

को ग्लोइंग बनाने में सहायता करता है।

चावल के आटे को चेहरे पर लगाने के फायदे

चावल का आटा चेहरे पर मौजूद झाइयों को कम करने में मदद करता है। एजिंग साइंस को कम करने से लेकर जवां त्वचा पाने में बेहद लाभदायक होता है।

विटामिन-ई की कैप्सूल को चेहरे पर लगाने से क्या होता है?

यह त्वचा की अंदर मौजूद लेयर तक जाकर नमी पहुंचाने का काम करता है। साथ ही दाग-धब्बों के निशानों को कम करने में मदद करता है।

आंखों की ठंडक और सूजन कम करने के लिए आजमाएं ये तरीका

क्या आपके साथ ऐसा हुआ है कि सुबह उठते ही आपको चेहरे के साथ-साथ आंखों में सूजन दिखने लगी हो? मात्र 2 टी बैग्स आपकी इस समस्या को कम करने में काफी मदद कर सकते हैं। मैं यदि रात को चावल खा लूं तो सुबह मेरे चेहरे और आंखों पर सूजन आ जाती है। इसी तरह हो सकता है कि किसी कारणवश आपकी आंखों में भी सूजन आ जाए। सुबह आप ऑफिस जाने के लिए तैयार हों और आंखों में पफी बैग्स बने हों, तो कितना खराब लगेगा। आंखों के नीचे बने ये बैग्स आमतौर पर खुद ही ठीक हो जाते हैं, लेकिन अगर आपको जल्दी कोई हल चाहिए, तो क्या करेंगे? क्या आपने कभी चाय पत्ती का इस्तेमाल करके देखा है? नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन की एक स्टडी में यह बात सामने आई है कि चायपत्ती में हीलिंग प्रॉपर्टीज होती हैं जो कई कंडीशन्स को सुधारने और नियंत्रित करने में मदद कर सकती हैं।

यह एक ऐसा इंएक्सपेंसिव ऑप्शन है, जो बिना किसी नुकसान के आपकी आंखों के नीचे बने बैग्स को दूर करने में मदद करेगा। अगर आपकी आंखों में दर्द या जलन हो रही है या फिर आंखें थक चुकी हैं, तो भी टी बैग्स आपकी मदद कर सकते हैं। इस आर्टिकल में चलिए टी बैग्स

बेनिफिट्स जानने के साथ ही उन्हें अप्लाई करने का सही तरीका आपको बताएं। साथ ही जानें कि इन्हें किस वक्त लगाना ज्यादा बेहतर हो सकता है। ठंडे टी बैग्स आंखों पर लगाने के कई फायदे हैं। यह कोल्ड कंप्रेस की तरह का काम करता है। यह एक अफॉर्डेबल ट्रीटमेंट है, जिसकी मदद से आपके छोटे-मोटे कंसर्न्स दूर हो सकते हैं। आंखों में होने वाली रेडनेस, जलन, सूजन, पफीनेस आदि को दूर करने के लिए टी बैग्स का कोल्ड कंप्रेस काफी मदद करता है।

कार्नर न्यूज

आत्मविश्वास, आराम और बेहतरीन लुक चाहिए तो अपनाएं ट्रेंडिंग ड्रेस

ग्राफिक जींस और हवाईयन शर्ट को अपना रहे नौजवान जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग से मिलेगा स्टाइलिश और मिनिमल लुक

बात ऐसे फैशन की हो जो न सिर्फ पुरुषों के लिए हो और न ही सिर्फ महिलाओं के लिए बल्कि ये तो ऐसा फैशन हो जो जेंडर न्यूट्रल हो। तो क्या होगा...तो भी आत्मविश्वास, आराम और बेहतरीन लुक बराबर मिलेगा। पक्की बात है, मगर कुछ खास टिप्स आजमाने के बाद। जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग ऐसी होती है जो किसी एक जेंडर को नहीं दिखाती है। बल्कि इसे किसी भी जेंडर के फैशन में शामिल किया जा सकता है। इसको आजमाने का आपने भी इरादा किया है तो चलिए खास टिप्स जान लीजिए-

डबल स्लीव्स वाला फैशन

कुछ साल पहले तक ये फैशन काफी इन था। इसमें फुल स्लीव की टीशर्ट के ऊपर हाफ स्लीव टी शर्ट पहनी जाती थी। इसके साथ कार्गो का ढीला ढाला लुक काफी अच्छा लगता था। ये पूरा लुक भी जेंडर न्यूट्रल लुक है। इसको आप पहनिए और जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग अपनाइए। इसमें कोशिश कीजिए दोनों में से एक टी शर्ट डार्क कलर की तो एक टी शर्ट हलके रंग की हो। नीचे वाली हलके रंग में अच्छी लगेगी।

ग्राफिक जींस भी तो हैं न

ग्राफिक जींस भी ऐसी होती हैं जो हर जेंडर पर सूट करती हैं। इसको कई बार लोग थोड़ी ढीली पहनते हैं और इसके साथ स्किनी जींस से लुक पूरा करते हैं। लेकिन ये टी शर्ट स्ट्रेट जींस के साथ भी बेहतरीन लगती हैं। लेकिन हां, इन टी शर्ट के साथ ब्लू जींस पहनकर आप ऊब चुके हैं तो आप ग्रे जींस भी चुन सकते हैं।ग्रे जींस के साथ हलके रंग की टी शर्ट ही नहीं डार्क कलर की टीशर्ट भी अच्छी लगती हैं। ग्राफिक का लुक आप खुद ही चुन सकते हैं। इस लुक पर फ्लोरोसेंट कलर वाली टीशर्ट भी अच्छी लगती हैं।इसलिए अगर अभी तक आप इन रंगों को पहनने से बचते थे तो अब ऐसा न कीजिए। अब इनको भी लुक में आराम से शामिल कीजिए।

बरमूडा के साथ हवाईयन शर्ट

वो गोवा वाली शर्ट तो आपको याद ही होंगी, जो आपने खासतौर पर इस ट्रिप पर पहनी थीं। इस शर्ट को ही हवाईयन शर्ट कहते हैं। ये वही शर्ट है जो किसी एक जेंडर की बात नहीं कहती है बल्कि ये तो जेंडर न्यूट्रल होती हैं। इन शर्ट को आप बरमूडा के साथ पहनें। ये ड्रेस आप दोस्तों के साथ हैंगआउट करते हुए भी पहन सकते हैं और यूंहीं घर पर मस्ती करते हुए भी। ये काफी आरामदायक ड्रेस भी होती है। आप भी सालों से अंदर रखी अपनी हवाईयन शर्ट को अब पहनने के लिए निकाल लीजिए।

कैनवास शूज भी हैं जेंडर न्यूट्रल

कैनवास शूज आपने खूब पहने होंगे लेकिन क्या आप जानते थे कि ये जेंडर न्यूट्रल हैं?नहीं न। लेकिन अब जान लीजिए। ये जूते किसी भी जेंडर के लुक को बेहतर कर देते हैं। ये ड्रेसिंग के हर लुक को भी बेहतर कर देते हैं। इसलिए जब भी आप कैजुअल लुक में तैयार हों तो इन जूतों को ही पहनें। बेहतरीन लुक के साथ ये आरामदायक भी होते हैं।

ओवरसाइज कपड़े

ओवरसाइज कपड़े आजकल का फैशन है। ये भी जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग का ही हिस्सा हैं। इसमें आपका फिगर पूरी तरह से छुप जाता है और आप फेमिनिन या मस्कुलिन वाले खांचे में फिट आते ही नहीं हैं। इसके लिए आप चाहें तो प्लेन शर्ट पहनें या फिर डार्क कलर की शर्ट को ढीली पैंट्स के साथ पहनें। इसके साथ स्नीकर का लुक काफी अच्छा लगेगा।